mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-83 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
23 सितम्बर 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

अभिषेक का पाकिस्तान @ पेज 7

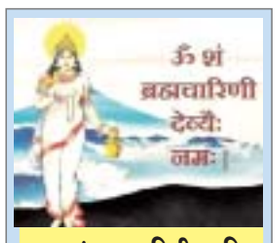

आज मां ब्रह्मचारिणी का दिन

नवरात्र के दूसरे दिन मां दुर्गा के देवी ब्रह्मचारिणी स्वरूप की पूजा करने का विधान है। माता के नाम से उनकी शक्तियों के बारे में जानकारी मिलती है। ब्रह्म का अर्थ है तपस्या और चारिणी का अर्थ है आचरण करने वाली अर्थात तप का आचरण करने वाली ब्रह्मचारिणी को हमन बार बार नमन करते हैं। माता ब्रह्मचारिणी की पूजा अराधना करने से आत्मविश्वास, आयु, आरोग्य, सौभाग्य, अभय आदि की प्राप्ति होती है। माता ब्रह्मचारिणी को ब्राह्मी भी कहा जाता है। मां भगवती की इस शक्ति की पूजा अर्चना कने से मनुष्य कभी अपने लक्ष्य से विचलित नहीं होता और सही मार्ग पर चलता है।

रूस में बुद्ध के अवशेषों के प्रदर्शन के लिए बौद्ध भिक्षुओं ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर प्रदेशभर से पधारे बौद्ध भिक्षुओं व भंते समाज के प्रतिनिधियों ने भगवान बुद्ध के पिपरहवा अवशेषों की रूस के कालमिकिया गणराज्य में प्रदर्शनी के आयोजन के लिए प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए आभार भी जताया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से विश्व के अनेक देशों में भारतीय आध्यात्मिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा अवशेषों की प्रदर्शनी का आयोजन भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर के गौरव को विश्वपटल पर स्थापित करने वाला ऐतिहासिक क्षण है।

अहमदाबाद क्रैश, सुप्रीम कोर्ट बोला-पायलट की गलती की चर्चा अफसोसजनक

स्वतंत्र जांच की संभावनाएं तलाशें

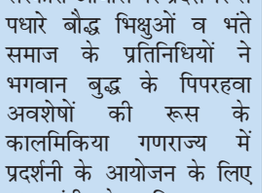

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में पायलट की गलती को लेकर उठ रही चर्चाओं को अफसोसजनक बताया है। इसके लिए कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (AAIB) से जवाब मांगा है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बैंच ने इस मामले में स्वतंत्र जांच करवाने की संभावना पर भी ध्यान दिया है। इसको लेकर एविएशन सुरक्षा NGO सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन ने PIL दायर की है। इसमें आरोप लगाया गया है कि प्रारंभिक रिपोर्ट में जरूरी जानकारी छुपाई गई है और यह नागरिकों के जीवन, समानता और सही जानकारी पाने के अधिकार का उल्लंघन करती है।

राजनाथ सिंह बोले- पीओके बिना हमला किए वापस मिलेगा

एक दिन खुद कहेगा- मैं भारत हूं; ऑपरेशन सिंदूर दोबारा शुरू हो सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (PoK) भारत को बिना किसी लड़ाई या हमले के अपने आप मिल जाएगा। PoK के लोग खुद आजादी की मांग कर रहे हैं और एक दिन वे कहेंगे, मैं भी भारत हूं। राजनाथ सिंह ने यह बात मोरक्को में भारतीय समुदाय से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने याद दिलाया कि पांच साल

पहले कश्मीर में सेना के एक कार्यक्रम में भी उन्होंने यही बात कही थी।

यह बयान उस समय आया है जब विपक्ष केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहा है कि हमने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान क्या को कब्जाने का मौका गंवा दिया गया। उस समय भारतीय वायुसेना ने कई पाकिस्तानी फाइटर जेट गिराए थे, लेकिन सरकार ने सीजफायर मान लिया।दरअसल, राजनाथ सिंह दो दिन के दौरे पर मोरक्को पहुंचे हैं। यहां उन्होंने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के नए व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म (WhAP) 8×8 मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन किया। यह अफ्रीका में किसी भारतीय रक्षा कंपनी का पहला संयंत्र है।

राजनाथ बोले- मसूद अजहर का परिवार तबाह किया

राजनाथ सिंह ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के अगले ही दिन CDS, तीनों सेनाध्यक्षों और रक्षा सचिव के साथ बैठक में उन्होंने पूछा था कि अगर सरकार आदेश दे तो क्या सेना तैयार है। सिंह ने बताया, उन्होंने बिना एक पल गंवाए कहा कि बिल्कुल तैयार हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने हमें पूरी छूट दी और आपने नतीजा देखा कि सीमा पर नहीं, बल्कि 100 किमी अंदर जाकर आतंकी ठिकाने तबाह किए गए। जैश-ए-मोहम्मद का एक बड़ा आतंकी कह रहा था कि मसूद अजहर के परिवार को भारत ने तबाह कर दिया।

भागवत बोले- भारत आंख मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकता

अमेरिकी टैरिफ और एच-1बी वीजा फीस पर जो जरूरी हो करना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चीफ मोहन भागवत ने अमेरिका के भारत पर बढ़ाए टैरिफ और H-1B वीजा फीस पर कहा, भारत को इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए जो भी जरूरी हो करना चाहिए, लेकिन हम आंख मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकते। उन्होंने कहा- भारत और अन्य देशों के सामने आज जो समस्याएं हैं, वे पिछले 2 हजार सालों से अपनाई गई उस व्यवस्था का नतीजा हैं, जो विकास और सुख की खंडित दृष्टि पर आधारित रही है। इसलिए हमें अपनी राह खुद तय करनी होगी। RSS चीफ ने कहा कि हम इन हालात से निकलने का रास्ता ढूंढ लेंगे, लेकिन भविष्य में कभी न कभी हमें फिर ऐसे ही हालात का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि इस खंडित दृष्टि में हमेशा 'मैं और बाकी दुनिया' या 'हम और वे' की सोच रहती है।

शारदेय नवरात्र- नैना देवी के कपाट रात 2 बजे खुले

मिर्जापुर के विंध्यवासिनी धाम में हजारों की भीड़

नई दिल्ली/ कोलकाता, एजेंसी। पूरे देश में सोमवार से शारदेय नवरात्र की शुरुआत हो गई है। सुबह से ही देवी मंदिरों में पूजा-पाठ की शुरुआत हो गई है। लोगों की भीड़ मंदिरों में पहुंचने लगी है। हिमाचल प्रदेश के शक्तिपीठों के कपाट आधी रात से ही खोल दिए गए।

बिलासपुर में मां नैना देवी मंदिर के कपाट रात 2 बजे, ऊना में मां चिंतपूर्णी मंदिर के कपाट सुबह 4 बजे, कांगड़ा में मां ज्वाला, मां ब्रजेश्वरी और मां चामुंडा देवी के कपाट सुबह 5 बजे खोल दिए गए।

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के विध्यांचल और फिरोजाबाद के राजराजेश्वरी कैला देवी मंदिर में इतनी भीड़ है कि पैर रखने की जगह भी नहीं है। काशी में दुर्गा मंदिर में चरू लंबी लाइन लगी है। देशभर से दुर्गा पंडालों की

कोलकाता में बांग्ला भाषा थीम पर सजे पंडाल

तस्वीरें भी सामने आने लगी हैं। दक्षिण कोलकाता अशोक नगर संघ ने दुर्गा पूजा पंडाल को बांग्ला, आमार मा आर भाषा थीम पर डिजाइन किया है, जिसका अर्थ है बांगला मेरी मातृभाषा है।

इस बार नवरात्रि 10 दिनों की (22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक) रहेगी, क्योंकि चतुर्थी तिथि दो दिन तक रहेगी। दुर्गाष्टमी 31 सितंबर और महानवमी 1 अक्टूबर को रहेगी। 2 अक्टूबर को दशहरा मनेगा।

पीएम मोदी ने पंडित जसराज का भजन शेयर करके शुभकामनाएं दीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने X पर पोस्ट के जरिए देश को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने लिखा- नवरात्रि शुद्ध भक्ति का पर्व है। बहुत से लोगों ने इस भक्ति को संगीत से व्यक्त किया है। पंडित जसराज का एक ऐसा ही भावपूर्ण गायन साझा कर रहा हूं।

आतंकी पन्नू का प्रवासियों को पंजाब छोड़ने का अल्टीमेटम

- 19 अक्टूबर तक प्रदेश खाली करें; बटाला रेलवे स्टेशन पर आतंकी नारे लिखवाने का दावा

अमृतसर, एजेंसी। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (SFJ) ने दिवाली से पहले प्रवासियों को पंजाब छोड़ने का अल्टीमेटम दे दिया है। उसने प्रवासियों को 19 अक्टूबर तक प्रदेश छोड़ने को कहा है। उसने अचलेश्वर धाम मंदिर के बटाला रेलवे स्टेशन पर खालिस्तानी नारे लिखने का दावा भी किया।

पन्नू ने अपनी एक वीडियो वायरल की है। उसमें उसने नारे लिखने का दावा पेश करते हुए बटाला रेलवे स्टेशन के शॉट भी शेयर किए हैं। साथ ही साफ-साफ कहा है कि पंजाब में वही रहेगा, जो दिवाली नहीं मनाता और बंदी छोड़ दिवस मनाते हुए उस दिन दीपमाला करता है। पन्नू ने खासतौर पंजाब का माहौल खराब करने के लिए दिवाली तक का अल्टीमेटम दिया है।

पन्नू ने वीडियो में अयोध्या का जिक्र भी किया। उसने दावा किया है कि दिवाली के दिन वे अयोध्या में अंधेरा करवाएगा। दरअसल, अयोध्या में लाखों दीये जलाकर इस साल दिवाली मनाए जाने का प्रयास किया जा रहा है।

पन्नू ने क्या-क्या दावे किए हैं

अचलेश्वर धाम मंदिर का जिक्र करते हुए बटाला रेलवे स्टेशन पर नारे लिखने का दावा किया है। ये नारे रेलवे स्टेशन में बोर्ड के अलावा इलेक्ट्रिसिटी बॉक्स पर लिखे गए हैं।

पन्नू ने संदेश भेजा है कि 19 अक्टूबर तक प्रवासी पंजाब छोड़ दें। खासकर वे पंजाबी राज्य छोड़ें जो हिंदुत्व आतंक पंजाब में फैला रहे हैं।

सिख फॉर जस्टिस संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि यह अल्टीमेटम न माना गया, तो गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे। आतंकी पन्नू करेगा क्या, इसकी जानकारी साझा नहीं की है। पंजाब भारत नहीं है। राज्य में वही रहेगा, जो दिवाली नहीं मनाया और सिर्फ बंदी छोड़ दिवस मनाता है। बंदी छोड़ दिवस को ही मनाते हुए वे दीपमाला करता है।

प्रधानमंत्री का अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा का दौरा

मोदी ने कहा- कांग्रेस ने नॉर्थईस्ट को नजरअंदाज किया,हमने इसी सोच से देश को मुक्ति दिलाई

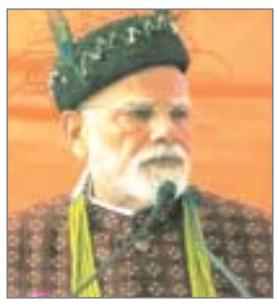

ईटानगर, त्रिपुरा, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा के दौरे पर हैं। सबसे पहले वे ईटानगर पहुंचे। उन्होंने यहां 5,100 करोड़ रुपए के नए प्रोजेक्ट्स की नींव रखी। उन्होंने कहा, अरुणाचल को कांग्रेस ने नजरअंदाज किया। हमारा पूरा नॉर्थईस्ट छूट गया। जब मुझे सेवा का अवसर दिया तो मैंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्ति दिलाई। हमारी प्रेरणा इसी राज्य में वोटों और सीटों की संख्या नहीं , नेशन फर्स्ट की भावना है।

उन्होंने कहा, जिनको कभी किसी ने नहीं पूछा उनको मोदी पूजता है। इसलिए जिस नॉर्थ ईस्ट को कांग्रेस ने भुला दिया था वो 2014 के बाद विकास की प्राथमिकता बन गया है। हमने लास्ट माइल कनेक्टिविटी को अपनी सरकार की पहचान बनाया। हमने यहां के 8 राज्यों को अष्टलक्ष्मी माना है।

नॉर्थईस्ट में 8 राज्य अरुणाचल, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा शामिल हैं।

अरुणाचल का हर व्यक्ति शौर्य और साहस का प्रतीक

यहां का हर व्यक्ति शौर्य और साहस का प्रतीक है। अरुणाचल मैं कई बार आया हूं। इसलिए यहां की ढेर सारी यादें मेरे साथ जुड़ी हुई हैं। उनका स्मरण भी मुझे भी अच्छा लगता है। तवांग मठ से लेकर स्वर्ण पगोडा तक अरुणाचल शांति का संगम हैं, मां भारती का गौरव है। मैं इस पुण्यभूमि को प्रणाम करता हूं।

यहां के 8 राज्यों को अष्टलक्ष्मी मानते हैं

मैं यहां तीन वजहों से आया

पहली- आज मुझे यहां सुंदर पर्वतों के दर्शन का सौभाग्य मिला। नवरात्र के पहले दिन आज सब मां शैलपुत्री की पूजा करते हैं जो पर्वतराज हिमालय की बेटी हैं। दूसरी वजह- आज से नेक्स्ट जनरेशन GST बचत उत्सव शुरू हो रहा है। जनता जर्नादन को डबल बोनांजा मिला है। तीसरी वजह- आज के दिन अरुणाचल में विकास के ढेर सारे प्रोजेक्ट, आज राज्य को पावर कनेक्टिविटी, टूरिज्म अनेक सेक्टर से जुड़े प्रोजेक्ट मिले हैं।

कांग्रेस ने अरुणाचल को नजरअंदाज किया

अरुणाचल को कांग्रेस ने नजरअंदाज किया। इसी वजह से हमारा पूरा नॉर्थईस्ट छूट गया। जब मुझे सेवा का अवसर दिया तो मैंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्ति दिलाने की ठान ली। हमारी प्रेरणा इसी राज्य में वोटों और सीटों की संख्या नहीं , नेशन फर्स्ट की भावना है। देश पहले, हमारा एक ही मंत्र है, नागरिक देवो भव:। जिनको कभी किसी ने नहीं पूछा उनको मोदी पूजता है। इसलिए जिस नॉर्थ ईस्ट को कांग्रेस ने भुला दिया था वो 2014 के बाद विकास की प्राथमिकता बन गया है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर के अबूझमाड़ मुठभेड़ में दो वर्दीधारी पुरूष नक्सली ढेर

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में सोमवार की सुबह हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो वर्दीधारी नक्सलियों को ढेर कर दिया है। अब तक दो (02) नक्सलियों के शव हथियार समेत बरामद किये गये हैं। सुरक्षाबलों ने मौके से शव के साथ एके 47 सहित अन्य हथियार तथा भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, नक्सल साहित्य, प्रचार-प्रसार सामग्री एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जिला नारायणपुर के अबूझमाड़, महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की प्राप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों द्वारा कोजी अभियान प्रारंभ किया गया। अब तक के सर्च अभियान में मुठभेड़ स्थल से कुल 2 पुरुष नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए गए हैं। दोनों मारे गये नक्सली कैडरों के शवों की शिनाख्त से संबंधित कार्रवाई जारी है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से एके-47 रायफल सहित अन्य हथियार तथा भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, नक्सल साहित्य, प्रचार-प्रसार सामग्री एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई हैं। सर्च अभियान अभी भी जारी है। अभियान पूरी होने के बाद विस्तृत विवरण अलग से बताया जाएगा।

ओडिशा हाईकोर्ट बोला- सभी पढ़ी-लिखी पत्नियां पति पर बोझ नहीं

उन्हें बेकार वर्ग कहना गलत; बेटी की देखभाल पिता की जिमेदारी

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा हाईकोर्ट ने सोमवार को पत्नी और बेटी को 10 हजार रुपए मेंटनेंस देने के फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने कहा कि पति ये साबित नहीं कर पाया कि पत्नी के पास परमानेंट इनकम है।

जस्टिस गौरीशंकर सतपथी की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि पति ने कोई दस्तावेज या सबूत नहीं दिया जिससे पता चले कि पत्नी कितने मामलों में वकालत कर रही है और कितना कमा रही है।कोर्ट ने कहा कि यदि पत्नी की इनकम के सबूत नहीं हैं, तो यह मानना गलत है कि सभी पढ़ी-लिखी पत्नियां पति के पैसों पर जीना चाहती हैं। उन्हें बेकार वर्ग कहना भी गलत है। हाईकोर्ट ने कहा- सिर्फ शिक्षित होना यह साबित नहीं करता कि महिला जानबूझकर काम नहीं कर रही या पति पर बोझ बनकर रहना चाहती है। जब तक ठोस सबूत न हों तब तक ऐसी सोच रखना गलत है।

अब पूरा मामला समझिए :यह मामला बारगढ़ का है। तलाक के केस में पति जी देवेंद्र राव ने अपनी पत्नी और बेटी को गुजारा भत्ता देने से मना कर दिया। फैमिकोर्ट में दलील दी गई कि उनकी पत्नी पढ़ी लिखी है। वह एमए, एलएलबी है। टीचर और LIC एजेंट है, इसलिए उसे गुजारा भत्ता का हक नहीं है। उनकी बेटी

एडल्ट हो चुकी है। इसलिए सेक्शन 125 CrPC के अंतर्गत मेनटेनेंस नहीं मांग सकती। फैमिली कोर्ट ने आदेश में कहा कि 2012 से याचिकाकर्ता हर माह पत्नी और बेटी को 5-5 हजार यानी 10,000 का भुगतान करे। इसके बाद देवेंद्र ने फैमिली कोर्ट के इस फैसले को हाईकोर्ट चुनौती दी।

पति ने कहा- पत्नी मेंटनेंस की हकदार नहीं

पति ने याचिका में कहा था कि उसकी पत्नी पढ़ी-लिखी है और उससे ज्यादा कमाती है। उसने यह भी आरोप लगाया कि पत्नी अपनी इच्छा से घर छोड़कर चली गई है, इसलिए वह मेंटनेंस की हकदार नहीं है। वहीं इस मामले में पत्नी ने कहा कि वह वकील जरूर हैं, लेकिन उनकी कमाई बहुत कम है। साथ ही उन्हें लॉ पढ़ रही बेटी की पढ़ाई का और अन्य खर्च भी उठाना पड़ता है। पत्नी ने आरोप लगाया कि पति ने दूसरी शादी कर ली है।

हाईकोर्ट ने कहा कि उसने पति की दूसरी शादी पर भी आपत्ति दर्ज नहीं की है।। इसलिए उसे अलग रहने का कानूनी आधार है। फिर पति खुद तलाक की अर्जी दे चुका है। अब यह तर्क देना कि पत्नी ने घर छोड़ दिया वाली दलील से कोई फायदा नहीं मिल सकता।

70 करोड़ की ठगी का पर्दाफाश-सरकारी टेंडर का जाल बिछाया...फर्जी IAS बन ठगा

नई दिल्ली ,एजेंसी। दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने फर्जी सरकारी वेबसाइट और टेंडर के नाम पर व्यापारियों को ठगने वाले एक बड़े गिरोह को पकड़ा है। एडिशनल सीपी अमरूता गुगलोत के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। टीम ने मास्टरमाइंड रत्नाकर, उनकी पत्नी अनीता और स्टेट हेड सौरभ को गिरफ्तार किया गया। इस फ्रॉड में अब तक 60-70 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पूरे देश से 15 से अधिक पीड़ितों ने शिकायत की थी ।गिरोह ने राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन यानी आजीएसएम नाम की फर्जी वेबसाइट बनाई, जो केंद्रीय सरकार की पहल बताई गई। इस वेबसाइट के जरिए स्कूल यूनिफॉर्म, मेडिकल किट जैसे सामान के फर्जी टेंडर जारी किए जाते थे। आरोपी भारत सरकार के नाम से दस्तावेज तैयार करते, स्टांप ड्यूटी वसूलते और कमीशन के नाम पर पैसे ऐंठते। सामान डिलीवर करने के बाद भुगतान के बहाने अतिरिक्त रकम मांगते और फरार हो जाते। एडिशनल सीपी अमरूता गुगलोत ने बताया ने आरजीएसएम एक पूरी तरह फर्जी संस्था थी। आरोपी ने गाजियाबाद और उत्तम नगर में फ्लैट खरीदे, लग्जरी कारें लीं और ट्रस्ट के खाते से 3.5 करोड़ रुपये निकाल लिए। गिरोह ने बाराखंबा रोड पर फर्जी दफ्तर भी खोला, जहां मीटिंग्स आयोजित की जातीं। इन मीटिंग्स में फर्जी लोगों को आईएएस अधिकारी बनाकर पीड़ितों को भ्रमित किया जाता था।

ठीक से स्कूटी चलाने की दी नसीहत तो युवकों ने कार सवार दंपती को पीटा, पति को किया लहूलुहान

दिल्ली,एजेंसी। अलीपुर इलाके में कार सवार दंपती ने स्कूटी लहराकर सड़क पर चला रहे युवकों को टोका तो उन्होंने पति-पत्नी को पीट दिया। दो युवकों ने कार चालक प्रवीण (36) को मार-मारकर लहूलुहान कर दिया जबकि उनकी पत्नी भारती से हाथापाई की। पीड़ित दंपती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी है। प्रवीण सपरिवार अलीपुर के बख्तावरपुर गांव में रहते हैं और टेंट का काम करते हैं। अलीपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी में प्रवीण ने बताया कि 15 सितंबर वह अपनी पत्नी भारती के साथ कार से बख्तावरपुर मार्केट आए थे। खरीदारी के बाद दोनों घर लौटने लगे तभी रास्ते में स्कूटी सवार दो युवक उनकी कार को खतरनाक तरीके से ओवरटेक करने लगे। कार से उनकी स्कूटी टच होने से बच गई। उन्होंने स्कूटी सवार युवकों को रोककर उन्हें ठीक से स्कूटी चलाने की नसीहत दी तभी दोनों युवक गाली-गलौज करने लगे। दोनों उन्हें छोड़कर वापस कार में बैठने लगे तभी दोनों युवक प्रवीण को पीटने लगे। भारती ने बीच- बचाव की कोशिश की तो आरोप है कि युवकों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। इससे वह सड़क पर गिर गईं। एक युवक ने प्रवीण को पकड़ लिया, जबकि दूसरे ने नुकीले हथियार से कान और पीठ पर हमला कर दिया। इस बीच पत्नी ने पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। प्रवीण को लहूलुहान कर दोनों युवक स्कूटी पर सवार होकर भाग गए। मौके पर पहुंचे पीसीआर कर्मी उन्हें राजा हरिश्चंद अस्पताल ले गए। अलीपुर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची, लेकिन चोट की वजह से प्रवीण बयान देने की स्थिति में नहीं थे। पुलिस ने दो दिन बाद पीड़ित का बयान दर्ज किया और सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के जरिये हमलावरों को की पहचान करने में जुटी है।

फुटपाथ और सड़कों पर लगे पेड़ों की हर 6 माह में होगी छंटाई, राजधानी में हरियाली के लिए नई एसओपी जारी

दिल्ली,एजेंसी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्लयूडी) ने सड़कों के किनारे हरियाली बढ़ाने के साथ ही पड़ों की देखभाल को और सख्त किया है। इस संबंध में विभाग की ओर से पेड़ों की देखभाल और छंटाई के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की गई है। इसका उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं बल्कि सड़क पर चलने वाले लोगों और वाहनों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करना है। माना जा रहा है कि पिछले माह कालकाजी में तेज बारिश के दौरान सड़क पर चल रहे वाहनों पर नीम का पेड़ गिरने से एक शख्स की मौत व उसकी बेटी के गंभीर रूप से घायल होने की घटना ने राजधानी में पेड़ों की सुरक्षा और रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। इस घटना से सबक लेते हुए विभाग की तरफ से एसओपी जारी की गई है। एसओपी के अनुसार, अब अधिकारियों को हर छह माह में सड़कों के सेंट्रल वर्ज और फुटपाथों पर लगे पेड़ों की छंटाई करनी होगी। साथ ही, सूखे और कमजोर पेड़ों को समय पर हटाना अनिवार्य होगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पेड़, पौधे और झाड़ियां सड़क पर लगे ट्रैफिक लाइट, संकेतक, यू-टर्न और स्ट्रीट लाइटों की दृश्यता में बाधा न डालें। सेंट्रल वर्ज पर लगे पेड़ों की ऊंचाई अधिकतम पांच मीटर तक रखी जा सकती है जबकि झाड़ियों की ऊंचाई 1 से 1.2 मीटर तक सीमित रहेगी। यदि किसी पेड़ की शाखाएं बिजली की तारों या स्ट्रीट लाइटों में रुकावट पैदा करती हैं तो उन्हें काटने के लिए वन विभाग से अनुमति लेकर तुरंत हटाया जाएगा। हरित क्षेत्र में माली की तैनाती अनिवार्य - एसओपी के मुताबिक, पीडब्ल्यूडी की बागवानी शाखा को निर्देश दिया गया है कि हर 2500 वर्ग मीटर हरित क्षेत्र पर कम से कम एक माली की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही, सभी कर्मचारियों को प्रभारी अभियंता की ओर से अनुमोदित वर्दी पहनना अनिवार्य होगा। नियम का पालन न करने पर सेवा प्रदाता पर प्रति कर्मचारी प्रतिदिन 50 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। फुटपाथों और सेंट्रल वर्ज पर पेड़ों और झाड़ियों की नियमित सफाई करने, टूटे-फूटे पौधों को बदलने और समय पर पौधरोपण करने पर भी जोर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इन कदमों से न केवल राजधानी की हरियाली बेहतर होगी बल्कि लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। राजधानी में पेड़ों के गिरने से हादसों की घटनाएं नई नहीं हैं। कुछ वर्षों में मानसून या आंधी-तूफान के दौरान कई लोगों की मौत हो चुकी है। वर्ष 2022 में लोधी रोड इलाके में बड़ा पेड़ कार पर गिर गया था जिसमें एक महिला की मौत हो गई थी। इसी साल आईटीओ के पास पुराना पेड़ ऑटो रिक्शा पर गिरने से चालक गंभीर रूप से घायल हो गया था। वहीं, सिविल लाइंस और करोल बाग

राजधानी की हवा में घुले स्मॉग को सोखेगी नई तकनीक

दिल्ली ,एजेंसी। राजधानी की हवा में घुले स्मॉग को सोखने के लिए विशेष तकनीक को शहर की सड़कों पर इस्तेमाल करने की तैयारी है। दिल्ली सरकार ने स्मॉग-ईटिंग फोटोकैटलिटिक सतहों का अध्ययन शुरू करने का फैसला किया है।

ये सतहें सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थानों पर प्रदूषण को सोखकर हवा को साफ करेंगी। सरकार का कहना है कि यह पहल हर बच्चे, बुजुर्ग और कामगार की सांसों को सुरक्षित करने की दिशा में कारगर साबित हो सकती है।

स्मॉग सर्दियों में लाखों लोगों की सांसों पर संकट खड़ा करता है लेकिन हवा में घुले इस जहर को कुछ हद तक कम करने के

नए समाधानों को प्रोत्साहित करेगी सरकार

लिए दिल्ली सरकार ने खास तकनीक का इस्तेमाल करने का निर्णय लिया है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पर्यावरण विभाग को टाइटेनियम ऑक्साइड आधारित स्मॉग-ईटिंग कोटिंग्स की व्यवहार्यता जांचने के निर्देश दिए हैं। ये कोटिंग्स सूरज की रोशनी में रासायनिक प्रक्रिया शुरू करके एनओ-2 और हानिकारक हाइड्रोकार्बन जैसे प्रदूषकों को तोड़ देती हैं। हवा में स्मॉग और जहरीले कणों को कम करती हैं। दीवारों और छतों पर लगाने से इमारत के आसपास का वातावरण साफ होता है।

ट्रायल के नतीजे देखकर लागू किया जाएगा

रविवार को मंत्री सिरसा ने बताया कि इसके लिए सर्टिफाइड, सुरक्षित और टिकाऊ सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा। इस तकनीक के नतीजे अनुकूल रहे तो कैबिनेट में प्रस्ताव रखकर इसे बाजारों, व्यस्त सड़कों और सार्वजनिक जगहों पर लागू करेंगे। ट्रायल की प्रगति हर महीने सार्वजनिक की जाएगी ताकि दिल्लीवासी अपनी हवा की बेहतरी को खुद देख सकें। इसमें तकनीक की लागत, प्रभाव और टिकाऊ तकनीकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

नए इनोवेशन को प्राथमिकता देगी सरकार

सिरसा ने कहा कि स्टूडेंट, स्टार्टअप्स और विशेषज्ञों को नए समाधान लाने के लिए प्रोत्साहित किया जा है। सरकार चाहती है कि लोग अपने नए विचार लेकर आएं। दिल्ली सरकार उन्हें परखेगी और जो काम करेगा उसे पूरे शहर में लागू करेगी।

दो गुटों के बीच चाकूबाजी में युवक की मौत

पैसे के लेनदेन में गोली मारकर हत्या; खून बहाया

दिल्ली, एजेंसी। बवाना जेजे कॉलोनी में शनिवार रात को दो गुटों में हुई चाकूबाजी में मोहम्मद राजा उर्फ बादशाह नाम के युवक की मौत हो गई। मोहम्मद अकबर नाम का युवक गंभीर रूप से घायल है। घायल के बयान के आधार पर नरेला औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने हत्या, हत्या का प्रयास समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने एक नाबालिग को पकड़ा है जबकि भागे हुए अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 20 सितंबर की रात करीब नौ बजे दो गुटों के बीच चाकूबाजी होने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायल मोहम्मद राजा और मोहम्मद अकबर को महर्षि वाल्मीकि अस्पताल ले जाया गया है। वहां पता चला कि मोहम्मद राजा को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है। उसके सिर और कमर पर चाकू के कई वार किए गए थे। घटनास्थल पर क्राइम व फोरेंसिक टीम को बुलाकर पुलिस ने वहां से कई साक्ष्य जुटाए।

शुरुआती जांच में पता चला कि दोनों गुटों के बीच काफी अरसे से विवाद चल रहा था। शनिवार रात बात इतनी बढ़ गई और दोनों पक्ष एक दूसरे पर हमला कर दिया। परिवार वालों का आरोप है कि हमला मनीष गैंग के बदमाशों ने की है। मनीष इलाके में अपना गिरोह चलाता है। मनीष ने अपने तीन से चार साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए कई टीम गठित कर दी गई है। वारदात के खिलाफ भारी संख्या में लोग शनिवार दोपहर तीन बजे बवाना मुख्य सड़क पर पहुंचे और शव रखकर हंगामा किया।

ड्रग्स का डर दिखाकर पूर्व बैंक अधिकारी को किया डिजिटल अरेस्ट, दिल्ली में 23 करोड़ की ठगी

दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के हौजखास इलाके में साइबर ठगों ने पूर्व बैंक अधिकारी से 23 करोड़ रुपये ठग लिए। आरोपियों ने पहले पुलिस अधिकारी, बाद में प्रवर्तन निदेशालय व सीबीआई अधिकारी बनकर बुजुर्ग को मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त बताकर डरा दिया। बुजुर्ग की शिकायत पर इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) टीम ने साइबर ठगों के बैंक खातों में ठगी के 12.11 करोड़ रुपये फ्रीज करवा दिए।

पुलिस के मुताबिक पीड़ित नरेश मल्होत्रा (73) परिवार के साथ हौजखास इलाके में रहते हैं। वह सरकारी बैंक से रिटायर हैं। पीड़ित ने बताया कि चार अगस्त को उनके पास एक शख्स का कॉल आया। कॉलर ने खुद को मुंबई

पुलिस का अधिकारी बताकर कहा कि वह ड्रग्स की तस्करी में शामिल हैं। उनके नाम से विदेश भेजा गया पार्सल पकड़ा गया है, जिसमे ड्रग्स मिले हैं। आरोपियों ने पीड़ित को गिरफ्तारी का डर दिखाकर उनके फ्लैट में कैद कर लिया। बदमाशों का कहना था कि जब तक वह नहीं कहेंगे तक वह न तो बाहर जाएंगे और न किसी को कॉल करेंगे। इसके बाद आरोपियों ने डराकर पीड़ित के खाते से रकम ट्रांसफर करवानी शुरू कर दी।

पीड़ित इतनी बुरी तरह डरे हुए थे कि वह ठगों के अनुसार बताए हुए बैंक खातों में रुपये ट्रांसफर करते रहे। आरोपियों ने पीड़ित के तीन बैंक खातों को खाली करवा दिया। यह सिलसिला चार सितंबर तक चला। डर के कारण पीड़ित ने किसी को भी कुछ नहीं बताया। बाद में ठगे जाने का अहसास होने पर शुक्रवार को उन्होंने एनसीआरपी के पोर्टल पर ऑन लाइन शिकायत की। बाद में आईएफएसओ ने मामला दर्ज कर आधी से ज्यादा रकम फ्रीज करवा दी है। अब पुलिस बाकी रकम भी बरामद करने का प्रयास कर रही है।

जालसाजों ने बुजुर्ग दंपती को डिजिटल अरेस्ट कर 6.22 लाख कराए ट्रांसफर

द्वारका इलाके में बैंक खाते में गलत तरीके से करोड़ों रुपये की लेन-देन होने की बात कहकर एक बुजुर्ग दंपती से 6.22 लाख रुपये ठग लिए गए। खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर जालसाजों ने बुजुर्ग दंपती को वीडियो कॉल करके डराकर अपने खाते में रकम ट्रांसफर करा ली। बुजुर्ग दंपती की शिकायत पर साइबर सेल ने मामला दर्ज कर लिया है और तकनीकी जांच कर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

कूड़े का पहाड़ बन रहा आफत

गाजीपुर लैंडफिल हटाना बड़ी चुनौती, 2026 है सरकार का लक्ष्य

नई दिल्ली ,एजेंसी। एमसीडी की तमाम कोशिशों के बावजूद गाजीपुर सेनेटरी लैंडफिल साइट राजधानी की सबसे बड़ी पर्यावरणीय समस्या बनी हुई है। राजधानी की भलस्वा व ओखला लैंडफिल साइट की तुलना में यहां से कचरा हटाने का कार्य काफी धीमा चल रहा है।

ऐसे में अगले साल के अंत तक पूरी तरह कचरा हटना मुश्किल है। दिल्ली सरकार ने एमसीडी को अगले साल दिसंबर तक कूड़ा मुक्त करने के निर्देश दिए हैं जबकि एमसीडी ने दिसबंर 2027 तक यहां से पूरी तरह कूड़ा हटाने का लक्ष्य रखा हुआ है।

एमसीडी के अनुसार, जून 2022 के ड्रोन सर्वे के अनुसार गाजीपुर लैंडफिल साइट पर 85 लाख मीट्रिक टन कचरा जमा था। इसके बाद जुलाई 2022 से अगस्त 2025 तक 20 लाख मीट्रिक टन कचरा

और गाद यहां डाली गई। तीन वर्षों से अधिक समय में एमसीडी केवल 23 लाख मीट्रिक टन कचरे की ही बायो-माइनिंग कर सकी है। नतीजा यह है कि आज भी यहां 82 लाख मीट्रिक टन कचरा पड़ा है। यहां स्थिति इतनी गंभीर है कि दिल्ली सरकार के आदेश के तहत दिसंबर 2026 तक इसे पूरी तरह कूड़ा मुक्त करने का लक्ष्य मात्र कागजी साबित होता दिख रहा है। मौजूदा रफ्तार से अगले सवा साल में इतने बड़े कचरे के पहाड़ का निपटान कर पाना असंभव प्रतीत हो रहा है।

गाजीपुर साइट इसलिए बनी सबसे बड़ा संकट

गाजीपुर में दशकों से लगातार कचरा डाला जा रहा है। यहां ऊंचाई और घनत्व इतना बढ़ चुका है कि बायो-माइनिंग की प्रक्रिया धीमी पड़ गई है।

मशीनरी व संसाधनों की कमी और पर्याप्त निगरानी न होने से काम की गति बेहद सुस्त है। प्रदूषण, बदबू और जहरीली गैसों से स्थानीय लोगों का जीना मुहाल है। यही वजह है कि गाजीपुर आज भी दिल्ली की सबसे बड़ी कचरा समस्या बना हुआ है।

गाजीपुर के लिए भावी योजना

35 एकड़ में एसडब्ल्यूएम (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) सुविधाएं विकसित होंगी।

15 एकड़ में 2000 टन प्रतिदिन क्षमता का वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट लगाया जाएगा।

10 एकड़ में 500 टन प्रतिदिन क्षमता का बायोमेथेनेशन/बायो-सीएनजी प्लांट स्थापित होगा। 10 एकड़ क्षेत्र में घना जंगल विकसित किया जाएगा।

भलस्वा और ओखला में उम्मीदें

भलस्वा और ओखला लैंडफिल साइट पर काम की गति कहीं बेहतर है। भलस्वा में 63 लाख मीट्रिक टन और ओखला में 42 लाख मीट्रिक टन कचरे का निपटान किया जा चुका है। यहां जुलाई 2026 व दिसंबर 2026 की समयसीमा के भीतर सफाई पूरी होने की संभावना मजबूत मानी जा रही है।

गोली चार्ली पर चली, लेकिन निशाना हम सब थे

ट्रंप ने किर्क के हमलावर को बताया राक्षस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चार्ली किर्क की याद में आयोजित समारोह में वामपंथी ताकतों और उनके सहयोगियों पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि चार्ली किर्क को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह उन विचारों को प्रकट कर रहे थे जिन पर पूरा अमेरिका विश्वास करता है।

इस दौरान ट्रंप ने कहा बंदूक चार्ली पर तनी थी, लेकिन गोली हम सब पर दागी गई थी। यह गोली हर उस व्यक्ति के खिलाफ थी जो सच्चाई और आजादी की आवाज उठाता है। उन्होंने मीडिया और वामपंथियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने चार्ली को बदनाम किया क्योंकि वह जीत रहे थे और उनका प्रभाव बढ़ रहा था।

हमले की निंदा और आरोपी पर टिप्पणी: राष्ट्रपति ट्रंप ने हमलावर टायलर रॉबिन्सन को कट्टरपंथी राक्षस बताया और कहा कि उसे उसके अपराध की पूरी और अंतिम सजा मिलेगी। उन्होंने बताया कि रॉबिन्सन पर कैपिटल मर्डर का केस दर्ज

किया गया है। यह हमला 10 सितंबर को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में हुआ था, जहां 31 वर्षीय चार्ली किर्क को गोली मार दी गई।

मीडिया और वामपंथ पर हमला: ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी राजनीति का एक वर्ग खुद को सत्य, अच्छाई और सदुण का ठेकेदार मानता है और यही सोच हिंसा को जन्म देती है। उन्होंने कहा, अगर बोलना हिंसा है, तो कुछ लोग मान लेंगे कि हिंसा जरूरी है ताकि बोलने वालों को रोका जा सके। उन्होंने उन लोगों की आलोचना भी की जिन्होंने चार्ली की मौत पर खुशी जताई।

अमेरिकी महिला ने एआई की मदद से जीती 1.25 करोड़ रुपये की लॉटरी

वर्जीनिया (अमेरिका),एजेसी। रिश्तों में सलाह देना हो या किसी की मन की बात सुनना, आज चैटजीपीटी कई तरह से लोगों की मदद कर रहा है। लेकिन अब यह लॉटरी जीतने में भी मददगार साबित हो रहा है। वर्जीनिया के मिडलोथियन शहर की रहने वाली कैरी एडवर्ड्स इसका ताजा उदाहरण हैं। उन्होंने आठ सितंबर को वर्जीनिया लॉटरी में चार सही नंबर और पावरबॉल मिलाकर लॉटरी जीत ली। पहले उन्हें 50 हजार अमेरिकी डॉलर (करीब 42 लाख रुपये) मिलने वाले थे। लेकिन उन्होंने पावर प्ले नाम का एक विकल्प चुना, जिसमें केवल एक डॉलर और जोड़ने पर इनाम तीन गुना हो गया।

चैटजीपीटी ऐप से पूछे नंबर: अब सवाल यह है कि ये इनाम जीतने वाले नंबर उन्हें किसने बताए? ये नंबर चैटजीपीटी ने दिए। कैरी आमतौर पर लॉटरी नहीं खेलतीं। उन्होंने बताया कि नंबर पूछे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने बताया, मैंने चैटजीपीटी से कहा- मुझसे बात करो...क्या तुम्हारे पास मेरे लिए कुछ नंबर हैं?

पैसे को नेक कामों में बांटने का किया फैसला

कैरी एडवर्ड्स ने पूरे 1,50,000 डॉलर अच्छे कामों में बांटने का फैसला किया। पहला हिस्सा उन्होंने एक चैरिटी को दिया, जिसका नाम एसोसिएशन फॉर फ्रंटोटेम्पोरल डिजेनरेशन है। यह संस्था ऐसी बीमारी पर शोध करती है, जिससे 2024 में उनके पति की मौत हुई थी। दूसरा हिस्सा शलोम फार्म्स को दिया गया, जो रिचमंड में एक जैविक खेती करने वाला फार्म है और भूख की समस्या को हल करने के लिए काम करता है। तीसरा हिस्सा नेवी-मरीन कॉर्प्स रिलीफ सोसायटी को मिला, जो उनके दिल के बहुत करीब है, क्योंकि उनके पिता एक फाइटर पायलट थे और इस संस्था से हमेशा जुड़े रहे।

एक दिन पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर कहेगा,मैं भी भारत हूं: मोरक्को में बोले राजनाथ सिंह

रबात (मोरक्को), एजेसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भरोसा जताया कि भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को बिना किसी आक्रामक कदम के वापस हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि अब वहां के लोग खुद ही मौजूदा शासन से आजादी की मांग कर रहे हैं। राजनाथ सिंह मोरक्को में भारतीय समुदाय को संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा, पीओके तो अपने आप हमारा हो जाएगा। आपने सुना होगा कि वहां अब आवाजें उठ रही हैं, नारे लग रहे हैं। रक्षा मंत्री ने बताया कि उन्होंने पांच साल पहले भी ऐसी ही बात कही थी, जब वह जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैं पांच साल पहले कश्मीर घाटी में सेना के एक कार्यक्रम में बोल रहा था। तब भी मैंने कहा था कि हमें पीओके पर हमला

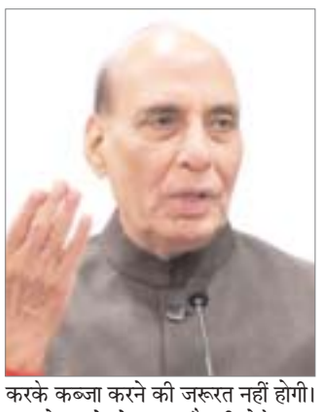

करके कब्जा करने की जरूरत नहीं होगी। वह तो पहले से हमारा है। पीओके खुद कहेगा- मैं भी भारत हूं। वो दिन जरूर आएगा।

राजनाथ सिंह का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कई लोग सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके पर कब्जा करने का मौका गंवा दिया है। यह सैन्य अभियान सात मई को शुरू हुआ था, जिसमें भारत ने कई पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। इसके अलावा, पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई सैन्य ठिकानों को तबाह किया गया था। यहीं नहीं पाकिस्तानी के कई एयरबेस भी ध्वस्त किए गए थे।

भारत कुछ कहता है तो ध्यान से सुनती है दुनिया

भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हमारा भारत के प्रति समर्पण, स्नेह और प्रेम स्वाभाविक है। हम दुनिया में कहीं भी रहें, यह नहीं भूलना चाहिए कि हम भारतीय हैं। भारतीय होने के नाते हमारी जिम्मेदारियां भी दूसरों से अलग होती हैं। अगर हम मोरक्को में अपनी रोजी-रोटी कमा रहे हैं अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं, तो मोरक्को के साथ कोई बेईमानी नहीं होनी चाहिए, यही भारत का स्वभाव है। उन्होंने कहा, मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि आप सभी भार की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा को महसूस कर पा रहे हैं। पहले जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कुछ कहता था, तो उसे गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन आज भारत कुछ कहता है, तो पूरी दुनिया ध्यान देती है और सुनती है। पहले ऐसा नहीं था। तमाम वैश्विक और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद भारत आज दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

इसके बाद विपक्ष के कई नेताओं ने सरकार की आलोचना की थी कि जब भारत को संघर्ष में बढ़त मिली हुई थी, तब संघर्षविराम को क्यों स्वीकार किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इन दिनों दो दिन के मोरक्को दौरे पर हैं, जहां वह टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की नई निर्माण इकाई का शुभारंभ करेंगे। इस इकाई में आठ पहियों वाला बख्तरबंद सैन्य वाहन तैयार किया जाएगा।

यह अफ्रीका में भारत की पहली रक्षा निर्माण इकाई होगी। यह पहली बार है, जब कोई भारतीय रक्षा मंत्री मोरक्को की यात्रा पर गया है। उन्होंने इस मौके को भारत की रक्षा निर्माण क्षमता के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का एक अहम पड़ाव बताया है।

राजनाथ सिंह ने कहा, भारत स्टार्टअप्स और नवाचारों का एक वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है। 2014 में केवल 500 स्टार्टअप थे और आज यह संख्या बढ़कर 1.60 लाख हो गई है। 2014 में जहां केवल 18 यूनिकॉर्न थे, आज उनकी संख्या बढ़कर 118 हो गई है।

ऑपरेशन सिंदूर पर रक्षा मंत्री ने क्या कहा?: रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, क्या पार्ट-2 या पार्ट-3 होगा, यह कहना मुश्किल है। यह पाकिस्तान के व्यवहार पर निर्भर करता है। अगर वह आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहता है, तो उसे जवाब मिलेगा। पहलगाम में हमारे 26 लोग मारे गए थे। इससे पहले उनसे उनका धर्म पूछा गया था। मैंने 23 अप्रैल को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस), तीनों सेनाओं के प्रमुखों और रक्षा सचिव के साथ बैठक में पहला सवाल पूछा था।

आतंकियों ने धर्म पूछकर लोगों को मारा, हमने कर्म देखकर मारा

उन्होंने आगे कहा, हम अच्छे संबंध चाहते हैं, क्योंकि (दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री) अटल बिहारी वाजपेयी कहा करते थे कि दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। हम उन्हें सही रास्ते पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि यह एक विराम है। ऑपरेश सिंदूर केवल रोका गया है। इसे फिर से शुरू किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, आतंकी यहां आए और हमारे नागरिकों को उनका धर्म पूछकर मार डाला। लेकिन हमने किसी का धर्म देखकर नहीं, उनका कर्म देखकर मारा है।

कलेक्टर ने समय सीमा पत्र समीक्षा बैठक में कड़े निर्देश दिए

शिकायतों के निराकरण में उदासीनता और लापरवाही पर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को सितंबर माह में ए ग्रेड प्राप्त करने के निर्देश दिए। गत माह शिकायतों के निराकरण में ग्रेड डी प्राप्त करने वाले विभागों कृ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन तथा सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग कृ के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि शिकायत निवारण में किसी भी प्रकार की उदासीनता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने जिले में मेरी शाला, बेस्ट शाला अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत 15 नवंबर 2025 से पहले सभी विद्यालयों में साफ-सफाई, पुताई, शौचालयों की क्रियाशीलता और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को तीन दिनों के भीतर अभियान की विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। सभी उपखंड अधिकारी अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे।

इसके साथ ही, कलेक्टर ने सेवा पखवाड़ा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कड़े निर्देश दिए कि सभी शासकीय उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित किया जाए। यदि वितरण प्रारंभ नहीं होता है तो कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मड़वास स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर नहीं, लैब असिस्टेंट कर रहा मरीजों का इलाज; 20 से ज्यादा गांवों के लोग परेशान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्थित मड़वास प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति चिंताजनक है। स्वास्थ्य केंद्र में एक भी डॉक्टर पदस्थ नहीं है। मरीजों का इलाज लैब असिस्टेंट कर रहा है। वह दवाइयां भी लिख रहा है। इस स्वास्थ्य केंद्र पर 20 से अधिक गांवों के लोग इलाज के लिए आते हैं। अस्पताल में एक नर्स 24 घंटे मरीजों की देखभाल कर रही हैं। पहले यहां तीन नर्स थीं। दो नर्सों का सिफारिश पर ट्रांसफर हो गया।

लैब असिस्टेंट अनिल गौतम ने स्वीकार किया कि वह हल्का-फुल्का इलाज कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मझौली 30 किलोमीटर दूर है। गरीब मरीज वहां नहीं जा पाते। इसलिए वह प्रिस्क्रिप्शन में दवा लिख देते हैं। इस मामले पर सीधी की मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबीता खरे से संपर्क करने का प्रयास किया गया। उनका फोन स्विच ऑफ मिला। अस्पताल में मिलने पर उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

मरीजों को मझौली बुलाकर इलाज कर रहे: मझौली के बीएमओ संदीप शुक्ला ने बताया कि डॉक्टरों की पोस्टिंग नहीं होने के कारण मरीजों को मझौली बुलाकर इलाज किया जाता है। कमचड़ गांव के मरीज रामलाल साहू ने कहा कि डॉक्टर नहीं मिलने पर मजबूरी में लैब असिस्टेंट से दवाई लिखवाई।

अमावस्या की रात नदी किनारे तंत्र-मंत्र; चूड़ियां, बाल, हड्डियां लेकर पहुंची तीन महिलाएं और पुरुष पकड़ाए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में अमावस्या की रात तंत्र साधना का मामला सामने आया है। मड़वास थाना क्षेत्र की सेहड़ा नदी के किनारे रविवार रात करीब 1 बजे कुछ लोग संदिग्ध हालत में मिले। स्थानीय निवासी विनोद सिंह ने बताया है कि मौके पर तीन महिलाएं और कुछ पुरुष तंत्र साधना कर रहे थे। उनके पास सोने-चांदी और तांबे के टुकड़े, चूड़ियां, बाल, हड्डियां और सिंदूर जैसी तंत्र सामग्री मौजूद थी। ग्रामीणों ने संदिग्धों को घेर लिया और डायल-112 को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले दो लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस बाकी लोगों को थाने ले गई। हालांकि, पूछताछ के बाद सभी को छोड़ दिया गया।

टीआई का बयान देने से इनकार: मड़वास थाना प्रभारी भूपेश बैस ने एडिशनल एसपी के निर्देश का हवाला देते हुए आधिकारिक बयान देने से इनकार कर दिया। एडिशनल एसपी अरविंद श्रीवास्तव ने भी शहडोल में पेशी का हवाला देकर टिप्पणी करने से मना कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से ग्रामीणों में नाराजगी है।

15 दिन में 3,540 वाहनों पर 17.42 लाख का जुर्माना, यातायात नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में 8 सितंबर से शुरू हुआ यातायात पुलिस का अभियान सोमवार को समाप्त हो गया। इस 15-दिवसीय अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने कुल 3 हजार 540 वाहनों पर कार्रवाई की और उनसे 17 लाख 42 हजार रुपए का जुर्माना वसूला। यह अभियान इस बात को भी उजागर करता है कि जिले में लोग यातायात नियमों का लगातार उल्लंघन कर रहे हैं।

सीट बेल्ट और हेलमेट का उल्लंघन सबसे बड़ा: यातायात थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान सबसे ज्यादा कार्रवाई सीट बेल्ट नहीं पहनने वाले चार पहिया वाहन चालकों पर की गई। ऐसे 1 हजार 423 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 7 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा 1 हजार 655 बाइक चालकों पर बिना हेलमेट गाड़ी चलाने के लिए भी कार्रवाई हुई।

नियम तोड़ने पर हुई कार्रवाई का विवरण:-

बिना हेलमेट: 1,655 वाहन चालकों पर 4,96,500 रुपए का जुर्माना।

बिना सीट बेल्ट: 1,423 वाहन चालकों पर 7,11,500 रुपए का जुर्माना।

शराब पीकर वाहन चलाना: 23 मामलों में 2,70,000 रुपए का जुर्माना।

गलत साइड से वाहन चलाना: 203 मामलों में 1,01,500 रुपए का जुर्माना।

ओवरलोडिंग: 105 वाहनों पर 1,02,000 रुपए का जुर्माना।

बिना लाइसेंस: 7 मामलों में 11,000 रुपए का जुर्माना।

बिना परमिट: 1 मामले में 10,000 रुपए का जुर्माना।

मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाना: 6 मामलों में 6,000 रुपए का जुर्माना।

तेज गति से वाहन चलाना: 6 मामलों में 6,000 रुपए का जुर्माना।

बिना फिटनेस: 8 मामलों में 16,000 रुपए का जुर्माना।

अन्य उल्लंघन: 103 मामलों में 51,500 रुपए का जुर्माना।

यातायात पुलिस ने कहा है कि यह अभियान भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए हमेशा यातायात नियमों का पालन करें।

राशन दुकानदारों की हड़ताल खत्म, रात 9 बजे तक खुलेंगी दुकानें; 7 लाख हितग्राहियों को मिलेगी राहत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में 8 सितंबर से चल रही राशन दुकानदारों की हड़ताल सोमवार को समाप्त हो गई है। कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने सभी दुकानदारों को तुरंत दुकानें खोलने के निर्देश जारी कर दिए हैं। अब राशन दुकानें सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक खुलेंगी। यदि आवश्यक हुआ तो रात 9 बजे तक भी खुली रहेंगी, ताकि कोई भी हितग्राही अनाज से वंचित न रहे।

लंबे समय से थी हड़ताल: दरअसल, अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सहकारिता विभाग के 335 कोटेदारों ने 8 सितंबर से हड़ताल शुरू कर दी थी। इस हड़ताल के कारण जिले के लगभग 7 लाख हितग्राहियों को सितंबर महीने का सरकारी राशन नहीं मिल पाया था। हड़ताल खत्म होने के बाद अब सभी जरूरतमंद लोगों को उनका हक मिल सकेगा।

समस्या होने पर कर सकते हैं शिकायत: कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि खाद्यान्न प्राप्त करने के दौरान अगर किसी भी हितग्राही को कोई समस्या आती है तो वह इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं:- 97523 64028, 98268 78778 इस फैसले से उन सभी लोगों को बड़ी राहत मिली है जो हर महीने सरकारी राशन पर निर्भर थे।

सोन नदी में डूबी महिला का शव बरामद

मवेशी चराने गए 55 वर्षीय व्यक्ति की तलाश में जुटी एसडीआरफ

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले में दो अलग-अलग नदी हादसों ने दो परिवारों को झकझोर दिया है। जैतपुर थाना क्षेत्र के बहगढ़ में सोन नदी से अनूपपुर की रहने वाली मुन्नी बाई का शव सोमवार सुबह बरामद किया गया। वह रिश्तेदारी में बहगढ़ गांव आई थीं।

मुन्नी बाई रविवार दोपहर को नदी में नहाते समय तेज बहाव में बह गई थीं। जैतपुर पुलिस और स्थानीय लोगों ने रविवार को पूरे दिन तलाश की। सोमवार सुबह रेस्क्यू ऑपरेशन दोबारा शुरू किया गया और उनका शव मिल गया। सोहागपुर थाना क्षेत्र के नरवार गांव में एक और दुखद घटना सामने आई है। यहां 55 वर्षीय शंकर सिंह गोड मवेशी चराने के दौरान नदी पार करते समय तेज बहाव की चपेट में आ गए। गांव वालों ने उन्हें नदी पार करते देखा था। शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने पुलिस को सूचित किया।

पुलिस और स्ठत्र्न्न की टीम रविवार सुबह से शंकर की तलाश में जुटी है। उप निरीक्षक कोमल सिंह ने बताया कि रविवार शाम अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू रोकना पड़ा। सोमवार को फिर से तलाश शुरू की गई है। अभी तक शंकर का कोई सुराग नहीं मिला है।

राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक 25 सितंबर को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने बताया कि राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक 25 सितम्बर को प्रात: 11 बजे कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे एजेंडा अनुसार अद्यतन जानकारी के साथ नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

जिला स्तरीय अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की मॉनिटरिंग करेंगे

बुढ़ार और सोहागपुर के तहसीलदार बदले, कलेक्टर ने आदेश जारी किया

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सोमवार को विभागीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण को लेकर कई निर्देश दिए। इसी दौरान कलेक्टर ने प्रशासनिक कार्य सुविधा के लिए दो तहसीलदारों के ट्रांसफर आदेश जारी किए।

तहसीलदार सोहागपुर सुमित कुमार गुर्जर को उनके आवेदन पर बुढ़ार तहसीलदार बनाया गया। वहीं तहसीलदार बुढ़ार भावना डेहरिया को सोहागपुर का नया तहसीलदार नियुक्त किया गया।

अधिकारी शिकायतों की मॉनिटरिंग स्वयं करें: कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की मॉनिटरिंग स्वयं करें। शिकायतों के निराकरण के जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से दर्ज कराए जाएं। उन्होंने कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड नहीं रहनी चाहिए। साथ ही शिकायतों का निराकरण गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए।

मैदानी अमले को भी शिकायत निराकरण का दायित्व सौंपा जाएगा। जिन विभागों में कम शिकायतें हैं, वहां के जिला प्रमुख अधिकारी शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत सेवाओं के समय-सीमा में निराकरण पर भी जोर दिया। सभी विभागों को सिटिजन चार्टर के अनुसार निर्धारित समय में सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम सोहागपुर अमृता गर्ग, एसडीएम ब्यौहारी भागीरथी लहरे, अन्तोनिआ एक्का सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जिले में 23 को बच्चों और किशोरों को कृमिनाशक दवा खिलाई जाएगी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस 23 सितंबर 2025 को मनाया जा रहा है। इस अवसर पर 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों और किशोरों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे ने बताया कि कृमि संक्रमण बच्चों के शारीरिक और बौद्धिक विकास में बाधा डाल सकता है। एल्बेंडाजोल का सेवन करने से कृमि संक्रमण रोका जा सकता है और बच्चों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस पर कृमिनाशक दवा अवश्य खिलाएं। दवा पूरी तरह सुरक्षित है और इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें शासकीय और निजी स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और चाइल्ड केयर संस्थानों में जाकर बच्चों और किशोरों को दवा खिलाएंगी। इसके अलावा, 26 सितंबर 2025 को मॉप अप दिवस मनाया जाएगा, जिसमें उन बच्चों को दवा दी जाएगी जो 23 सितंबर को किसी कारणवश शामिल नहीं हो सके।

परिवहन विभाग की कार्यवाही, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशामक यंत्र और रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप नहीं होने पर हुआ चालान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश में वाहन सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए परिवहन विभाग ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य के परिवहन आयुक्त के विशेष निर्देशानुसार, सभी व्यावसायिक वाहनों में अनिवार्य रूप से लगाए जाने वाले अग्निशामक यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) और फर्स्ट एड बॉक्स पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप की जांच कर चालानी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

यह पहल मुख्य रूप से वाहनों की दृश्यता बढ़ाने और दुर्घटना के समय आपातकालीन उपकरणों की पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। परिवहन विभाग ने बताया कि केंद्र सरकार के मोटर वाहन नियमों के तहत रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप का उपयोग वाहनों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। इन नियमों में वाहनों के सामने सफेद और पीछे लाल रंग की टेप लगाने का प्रावधान है, जो न्यूनतम 20 मिमी चौड़ी होनी चाहिए।

इसी सिलसिले में, अग्निशामक यंत्र और फर्स्ट एड बॉक्स पर भी ऐसी ही रिफ्लेक्टिव टेप लगाने का निर्देश जारी किया गया है, ताकि रात के समय या खराब मौसम में ये उपकरण आसानी से दिखाई दें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पीयूसी (पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल) और व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) के साथ यह नई आवश्यकता पूरी की जानी चाहिए।

सभी व्यावसायिक वाहन मालिकों को जल्द ही अपने वाहनों में यह अनुपालन सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है। यदि कोई वाहन मालिक इस नियम का पालन नहीं करता है, तो उन पर 500 से 1000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

परिवहन विभाग की टीमें अब सड़कों पर विशेष चेकिंग अभियान चला रही हैं। आज के अभियान में 167 वाहनों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 21 वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई और 23,500 रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया।

परिवहन विभाग ने कहा, वाहन सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप न केवल वाहन को सुरक्षित बनाती है, बल्कि आपात स्थिति में जान बचाने वाले उपकरणों को भी तुरंत उपलब्ध कराती है। हम सभी वाहन मालिकों से अपील करते हैं कि वे तुरंत इसकी पालना करें।

यह कदम राज्य में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। विभाग का मानना है कि यदि सभी वाहन मालिक इस नियम का पालन करते हैं, तो सड़क पर सुरक्षा में सुधार होगा और दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आएगी।

62वां आत्म साक्षात्कार दिवस व संकीर्तन, 23 को हेमू कालाणी चौक में महाप्रसाद का वितरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। योग वेदान्त सेवा समिति, जो कि संत आशाराम बापू अहमदाबाद द्वारा संचालित योग वेदान्त सेवा समिति ने प्रेस विज्ञप्ति में वरिष्ठ साधक भाई राकेश गुप्ताजी ने बताया कि इस वर्ष भी पूज्य संत आशाराम बापू जी का 62वां आत्मसाक्षात्कार दिवस सत्संग के उपरांत धूमधाम से मनाने हेतु शास्त्री नगर सिंधी धर्मशाला, रीवा।

23 सितम्बर, मंगलवार को शास्त्री सिंधी धर्मशाला में सत्संग के उपरांत संकीर्तन यात्रा निकाली जायेगी समय 12 दिन बजे से शास्त्री नगर हाल से, सिरमौर चौराहा एवं कालेज चौराहा, जय स्तम्भ, व्यंकट रोड, घोड़ा चौराहा से प्रकाश चौराहा, शिल्पी प्लाजा, स्वागत भवन कला मंदिर, अमहिया होते हुये सत्संग भवन वापस साथ ही इस हेमू कालाणी चौक में महाप्रसाद का वितरण किया जायेगा।

कैलाश आहूजा अध्यक्ष ने जानकारी देते हुये कहा कि इस वर्ष भी 23 सितम्बर को बड़े धूमधाम से मनाया जायेगा, सभी साधक भाईया/बहिनों से आग्रह है कि समय पर पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनायें।

चुनाव आयोग का सही फैसला, एसआईआर को लेकर प्रतिबद्ध

संपादकीय

दुर्भाग्य से विपक्षी दल यही चाहते हैं। उन्होंने बिहार में मतदाता सूचियों के सत्यापन की प्रक्रिया को लेकर जिस तरह आसमान सिर पर उठा लिया उसे देखते हुए इसका अंदेशा है कि वे देशव्यापी एसआईआर पर भी हायतौबा मचाएंगे। ऐसे में चुनाव आयोग को विपक्षी दलों के दुष्प्रचार की काट के लिए तैयार रहना होगा।

यह अच्छा हुआ कि चुनाव आयोग देश भर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर न केवल प्रतिबद्ध है, बल्कि उसने राज्यों के चुनाव अधिकारियों को यह निर्देश भी दे दिया कि वे 30 सितंबर तक इस प्रक्रिया के लिए तैयार रहें। माना जा रहा है कि चुनाव आयोग अक्टूबर के अंत अथवा नवंबर के आरंभ में देश भर में मतदाता सूचियों के सत्यापन का काम शुरू कर सकता है। यह कार्य होना ही चाहिए।

एक तो इसलिए, क्योंकि पिछली बार अधिकांश राज्यों में मतदाता सूचियों का सत्यापन 2002 और 2004 के बीच हुआ था। अच्छा यह होगा कि चुनाव आयोग एक निश्चित अंतराल के बाद मतदाता सूचियों के सत्यापन की प्रक्रिया नियमित रूप से पूरी करे। इसकी आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि अब एक बड़ी संख्या में लोग रोजगार-व्यापार के सिलसिले में अपने मूल निवास स्थान से अन्यत्र चले जाते हैं।

इसके अतिरिक्त यह भी किसी से छिपा नहीं कि अनेक स्थानों पर मृत लोगों के नाम मतदाता सूचियों में दर्ज बने रहते हैं। बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया ने तो इस आशंका को भी बल दे दिया है कि अवांछित लोग और विशेष रूप से बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल आदि के नागरिक फर्जी प्रमाण पत्रों के सहारे भारतीय मतदाता बन बैठे हैं।

ऐसा बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए, लेकिन सीमावर्ती राज्यों और विशेष रूप से पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर में ऐसा होने की प्रबल आशंका है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बांग्लादेशी घुसपैठिये किस तरह देश के विभिन्न हिस्सों में जा बसे हैं। उन्होंने फर्जी दस्तावेजों से राशन कार्ड, आधार और उनके जरिये मतदाता पहचान पत्र भी हासिल कर लिए हैं।

अब जब चुनाव आयोग देश भर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की दिशा में अपने कदम बढ़ा रहा है तो उसे इसके लिए हरसंभव प्रयत्न करने होंगे कि इस प्रक्रिया में किसी भी गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे। निस्संदेह इतने बड़े देश में मतदाता सूचियों में सुधार करने की प्रक्रिया में कहीं न कहीं कुछ न कुछ खामी देखने को मिल सकती है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि मतदाता सूचियों का सत्यापन ही न किया जाए। दुर्भाग्य से विपक्षी दल यही चाहते हैं। उन्होंने बिहार में मतदाता सूचियों के सत्यापन की प्रक्रिया को लेकर जिस तरह आसमान सिर पर उठा लिया, उसे देखते हुए इसका अंदेशा है कि वे देशव्यापी एसआईआर पर भी हायतौबा मचाएंगे।

माफ करना समारोह

निर्मल असो

अचानक आए पुलिस कांस्टेबल को देख घर वाले डर गए, लेकिन वह उन्हें व्यवस्था का सौहार्द बता रहा था, 'मैं आपके लिए 'माफ करना समारोह' का निमंत्रण पत्र लेकर आया हूं। आप एक बार समारोह में पहुंच जाएं। वहां आप सार्वजनिक तौर पर माफ हो जाएंगे।' वर्दी वाले सिपाही का आग्रह देखकर मध्यमवर्गीय परिवार के सारे सदस्य हैरान थे। जिस व्यवस्था ने आज तक नाक में दम कर रखा था, वह अचानक मोम जैसी कैसे हो गई। आदतन मध्यमवर्गीय सोच उस परिवार पर हावी थी, 'माफ करना समारोह' की वैधता में आखिर उनका परिवार ही क्यों चुना गया। आयकर भी पूरा-पूरा भरा है। जीएसटी कटवा कर ही घर को चला रहे हैं। बिना किसी सुविधा नगर निगम के हर शुल्क को अदा कर रहे हैं। प्रदूषण बोर्ड से डर कर चूल्हे तक को ज्यादा नहीं जला रहे हैं। कभी किसी विभाग से कोई शिकायत नहीं की। बच्चों को जैसी शिक्षा मिली, ले ली। इलाज में हर कोताही सह ली। सडक़ पर गड्ढों और शहर में फैलती गंदगी तक की शिकायत नहीं की। नाक पर रुमाल, कानों में रुई और आंखों में सुरमा डालकर हम जैसे तैसे राष्ट्रप्रेमी नागरिक साबित होने में लगे हुए हैं। नेता जी के उसी पुराने भाषण पर हर बार ताली बजाई है। हमने न तो नेता जी की जाति पूछी, न मुख्यमंत्री की प्रजाति। आज तक चुपचाप भरोसा कर रहे हैं कि प्रदेश तरक्की कर रहा है। फिर यह 'माफ करना समारोह' में जाकर करेंगे क्या।'

यह सुनकर पुलिस वाले को गुस्सा आ गया, 'आपकी समझ में यह क्यों नहीं आ रहा, जब कानून व्यवस्था खुद चल कर नागरिक से प्रार्थना कर रही है तो आपको भी सहयोग करना होगा। आप खुद नहीं आएंगे, तो हम आपको जबरन लेकर जाएंगे।' पहली बार सरकारी समारोह के निमंत्रण पाकर परिवार को मालूम हुआ कि सरकारी व्यवस्था को जो काम करना होता है, उसे करके ही रहती है। 'माफ करना समारोह' से बुलावा क्या आया, पड़ोस में खुसर-फुसर, मोहल्ले में रुतबा और शहर पहचानने लगा। अचानक बड़े अदब से उन्हें समारोह के दिन मंच पर बैठाया गया। एक बड़ा मंच, कुर्सियां और बड़ी कुर्सियां, तमगे और बड़े तमगे। भारी संख्या में दर्शक यह देख कर खुश होना चाहते थे कि अंतत: बुद्धिजीवी परिवार का मुखिया, माफ करना समारोह तक पहुंचा कैसे और इसे देश कहना क्या चाहता है। लोगों को समारोह के फायदे और कायदे बताए जा चुके थे। परिवार का मुखिया बोलने लगा, उसके बोलने से 'माफ करना समारोह' सफल होने की उम्मीद देश को थी, 'इस देश में रहते हुए हमने जीवनपर्यन्त बहुत गलतियां की हैं। अब उन्हें सही करने की असमर्थता के लिए माफ करें। माफ करें कि मैं देश के नेताओं से आज तक गाली देना नहीं सीख पाया। मैं आज भी बिना रिश्वत सरकारी काम कराने की उम्मीद रखता हूं। मैंने डॉलर को मजबूत, रुपए को हल्का समझा, इसलिए माफ करें। मैंने उस समय देश के लिए गलती की जब 'लोकपाल विधेयक' की मांग से भ्रष्टाचार मिटाने के लिए समय बर्बाद किया। मैं हर वक्त कोसता रहा, चुनी हुई सरकारों को। कितना मुश्किल है सत्ता में आना और सरकार को बचाना। मैंने सरकारों को बार-बार बदलने की गलती की है। इससे देश का ही नुकसान हुआ, क्योंकि आना तो उन्हीं नेताओं को ही है। मैं हर दलबदल के लिए जिम्मेदार। मैं भारत का नागरिक माफी मांगने के ही काबिल बन पाया हूं, लेकिन पहली बार किसी सरकार ने मुझे बाकायदा माफी मांगने का मंच दिया। तमाम बुद्धिजीवी हक से यह हक मांगें कि देश के हर कसूर पर वही माफी मांगें।' भीड़ जा चुकी थी, मंच हटाया जा चुका था, सरकारी व्यवस्था लौट चुकी थी, लेकिन वहां कुछ बुद्धिजीवी विचार कर रहे थे कि अगली बार वे भी देश के लिए माफी मांग ही लेंगे।

नारीशक्ति की सर्वोत्तम व्याख्या भारतीय पुराणैतिहासिक संदर्भों में प्राप्त होती है जो वैज्ञानिक चिंतन पर आधारित है। वर्ष 2018 के सर्वश्रेष्ठ शब्द के रूप में आक्सफोर्ड डिक्शनरी ने नारीशक्ति को चुनकर इस दिशा में और गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित किया है। भारत में नवरात्र आराधना के प्रसंग में ऐं ह्रीं क्लीं के अंतर्गत ऐं = वाग्बीज(ज्ञानशक्ति), क्लीं =कामराज (क्रिया शक्ति), ह्रीं = मायाबीज (पदार्थ) के माध्यम से सृष्टि निर्माण, स्थिति और ध्वंस की विज्ञान-सम्मत व्याख्या मिलती है। इनसे ही सात्विक, राजसिक और तामसिक प्रवृत्तियों की व्याख्या की मनोवैज्ञानिक एवं वैज्ञानिक दृष्टि विकसित हुई है।

नवरात्र का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक तादात्य

डॉ. आनंद सिंह राणा

ऐतिहासिक और पौराणिक संदर्भों में आदि शक्ति का इतिहास सनातन है, जहाँ उन्हें परम चेतना, ब्रह्मांड की मूल निर्माता, दृष्टा और संहारक शक्ति के स्वरुप में वर्णित किया गया है। इसलिए मार्कण्डेय पुराण के दुर्गा सप्तशती अंश में कहा गया है कि

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरुपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमो नम:।

ऋग्वेद के देवी सूक्त में माँ आदिशक्ति स्वयं कहती हैं,

अहं राष्ट्री संगमनी वसूनां,
अहं रूद्राय धनुरा तनोमि।

अर्थात् मैं ही राष्ट्र को बांधने और ऐश्वर्य देने वाली शक्ति हूँ, और मैं ही रुद्र के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाती हूँ। हमारे तत्वदर्शी ऋषि मनीषा का उपरोक्त प्रतिपादन वस्तुत: स्त्री शक्ति की अपरिमितता का प्रतीक है।

रात्रि शब्द सिद्धि का प्रतीक माना जाता है, इसलिए भारत में रात्रि का विशेष महत्व है।भारतीय पर्वों के मूल में आध्यात्मिक चेतना के साथ वैज्ञानिकता उसके मूल में निहित है। वैज्ञानिक तथ्य है कि दिन में अन्य तरंगों के कारण ध्वनि तरंगों में अवरोध उत्पन्न होता है इसलिए रात्रि काल में उपासना पर विशेष रूप से भारतीय मनीषियों ने बल दिया है। नवरात्र दीपावली, महाशिवरात्रि और होली जैसे अधिकांश पर्व रात्रि में ही मनाए जाते हैं, ताकि ध्वनि की तरंगों का ठीक प्रकार से विस्तार हो। एतदर्थ मंत्र, तंत्र और यंत्र के साथ विभिन्न वाद्य यंत्रों और शंख बजाकर वातावरण को न केवल रोगाणु मुक्त किया जाता है वरन् अपकारी शक्तियों के साथ आसुरी प्रवृत्तियों का भी शमन भलीभाँति होता है। नवरात्र के संबंध में यह सर्वविदित है कि कि एक वर्ष में चार संधि काल होते हैं और इसलिए क्रमश: चार नवरात्र चैत्र, आषाढ़ अश्विन, और माघ में मनाए जाने की विधान है।

भारत में 51 शक्तिपीठों का विशेष महत्व है और इनमें से कई शक्तिपीठ जनजातियों द्वारा पूजित संरक्षित किए गए हैं। चार संधि कालों में सत्व गुण तमोगुण और रजोगुण के मध्य उचित सामंजस्य स्थापित करना ही नवरात्र का मूल आधार है। तन मन को निर्मल और पूर्णत: स्वस्थ रखने के का अनुष्ठान ही नवरात्र है। वस्तुत: नौ रातों के समूह को नवरात्र कहा जाता है, जो शरीर के अंदर निवास करने वाली जीवनी शक्ति दुर्गा के ही स्वरुप हैं। उपनिषदों में उमा या हेमवती का उल्लेख किया है। भारतीय अवधारणा में हिरण्यगर्भ जिसे पाश्चात्य विज्ञान बिग बैंग के रुप समझता है, तद्नुसार शक्ति या ऊर्जा के आलोक में जड़ - चेतन की व्याख्या करता है।शिव - शक्ति का अद्वैत है।

यजुर्वेद में स्पष्ट है कि यद् पिण्डे, तद् ब्रम्हाण्डे। इसी के परिप्रेक्ष्य में भौतिकी में अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी अपने द्रव्य - ऊर्जा समीकरण (E=mc2) के माध्यम से अद्वैत की पुष्टि की है। ऊर्जा से ही सब गतिमान हैं। आंध्र ऊर्जा और आंध्र पदार्थ के संबंध में भी यही अवधारणा है।विज्ञान में ऊर्जा का अध्ययन वास्तव में आदिशक्ति का का ही अन्वेषण है।

आदिशक्ति त्रिगुणात्मक है। अपने तीन स्वरूपों क्रमश: ज्ञान शक्ति, इच्छा शक्ति और क्रिया शक्ति से सत्व, रज और तम गुणों को उद्भूत करती है।तीनों गुणों के क्रियात्मक वेग के परस्पर संयोग से 9 के यौगिक की व्युत्पत्ति होती है जो सृष्टि का प्रथम गर्भ है। यही ब्रह्म (ब=23, ह्म=27, ह=33,म =25, 23+27+33 +25 =108..1+0+8 =9)की पुष्टि करता है यही सर्वत्र चराचर में व्याप्त है।

हमारे मनीषियों ने नारी को शक्ति के रूप में स्वीकार किया है सरस्वती लक्ष्मी और दुर्गा के मानवीय रूपों के माध्यम से उनके गुणों और क्रिया सहित व्यक्त करने का प्रयास किया है। यह भी स्पष्ट है कि मूर्ति पूजा हमारे यहां प्रतीकात्मक है यजुर्वेद कहता है कि ना तस्य प्रतिमा अस्ति।

बौद्धों के पूर्व मूर्ति पूजा शिरोधार्य नहीं थी वरन् आकृतियों का निर्माण कर पूजा की गई है,जैसे शिवलिंग, शालिग्राम और पिंडी का पूजन। देवी के लिए पिंडी पूजन क्योंकि वह गर्भ का द्योतक है।

ईशास्योपनिषद के शांति पाठ में स्पष्ट है कि पूर्णमद: पूर्णमिदं पूर्णात पूर्ण मुदच्यते..पूर्ण स्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।

जिसका अर्थ है वह भी पूर्ण है और यह जगत् भी पूर्ण है, पूर्ण से पूर्ण प्रकट होता है, और फिर भी पूर्ण शेष बचता है, पूर्ण से पूर्ण निकल जाए फिर भी पूर्ण शेष बचे, वही ईश्वर है।यह स्पष्ट है कि एक मादा गर्भधारण कर एक संतान को जन्म देती है जो पूर्ण होती है, और माँ भी पूर्ण रहती है इसलिए मां ईश्वर का स्वरूप है। संसार की सभी मादाएं ईश्वर का ही स्वरूप है।यही मातृत्व शक्ति माँ दुर्गा के रुप में सकल ब्रम्हांड में व्याप्त है।

भौतिकी में 9 ऊर्जाओं का क्रमश: स्थितिज ऊर्जा, गतिज ऊर्जा, ध्वनि ऊर्जा, नाभिकीय ऊर्जा, चुंबकीय ऊर्जा, आणविक ऊर्जा, तापीय ऊर्जा, विद्युत ऊर्जा व रासायनिक ऊर्जा उल्लेख है जिनसे 9 प्रकार की आकृतियों का निर्माण होता है। यही नवरात्र के मूल में वैज्ञानिक तथ्य हैं।

भौगोलिक और भूगर्भीय दृष्टि से नवरात्र का बड़ा महत्व है।पृथ्वी पर विषव (Equinox) की विशिष्ट स्थिति में महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। इसलिए नवरात्र पर्व में व्रत, उपवास और ध्यान के माध्यम से चक्रों और नाड़ियों का शोधन होता है। जीव विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में यही समय होता है जब हार्मोनल, और आंतरिक परिवर्तन के साथ जैविक चक्रों पर प्रभाव पड़ता है तब अनेक रोग की बाढ़ आ जाती है, जिसके शोधन के लिए दिव्य ब्रम्हांडकीय आदिशक्ति, माँ दुर्गा को 9 रुपों शिरोधार्य किया जाता है।

भाषा विज्ञान की दृष्टि से दुर्गा शब्द की व्युत्पत्ति दुर्ग और आ प्रत्यय जोड़कर हुई है जिसका अर्थ जो शक्ति दुर्ग की रक्षा करती हैं, दुर्गा हैं।यहाँ दुर्ग का अर्थ साधक के शरीर और चेतना के लिए ही है। वह शक्ति दुर्ग की रक्षा करती हैं वही दुर्गा है, दुर्ग साधक का शरीर है, और उसकी चेतना है, दुर्गा।

स्त्री-संवेदना की सशक्त आवाज! -अमृता प्रीतम

प्रो. दयानंद तिवारी

भारतीय साहित्य जगत में यदि किसी नाम को स्त्री चेतना की पहचान और मानवीय संवेदना का स्वर कहा जाए तो वह नाम निश्चय ही अमृता प्रीतम का है। हिंदी और पंजाबी की सुप्रसिद्ध कवयित्री, लेखिका तथा उपन्यासकार अमृता प्रीतम ने न केवल स्त्री के अंतर्मन की पीड़ा और उसकी आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति दी, बल्कि जीवन की असंख्य गुत्थियों को भी अपनी लेखनी में साकार किया। वे केवल साहित्यकार ही नहीं थीं, बल्कि युग की सशक्त प्रतिनिधि थीं।

जीवन परिचय और साहित्यिक पृष्ठभूमि-अमृता प्रीतम का जन्म 31 अगस्त 1919 को तत्कालीन अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत के गुजरांवाला (अब पाकिस्तान) में हुआ। बचपन से ही उनका झुकाव साहित्य की ओर रहा। मात्र सोलह वर्ष की उम्र में उन्होंने अपनी पहली कविता-संग्रह प्रकाशित की। आरंभिक जीवन में ही मां का साया उठ जाने के कारण अमृता ने गहन पीड़ा का अनुभव किया, जो आगे चलकर उनके साहित्य का आधार बनी। विभाजन की त्रासदी ने उनके संवेदनशील मन पर गहरा प्रभाव डाला और उनकी कविताओं में यह पीड़ा बार-बार मुखर हुई।

साहित्यिक योगदान-अमृता प्रीतम का साहित्य बहुआयामी है। उन्होंने कविता, उपन्यास, आत्मकथा, निबंध और रेडियो वार्ताओं के माध्यम से अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त किया। उनका सबसे प्रसिद्ध कविता-संग्रह पिंजर भारतीय स्त्री के दुख, विछोह और उसकी अस्मिता की गाथा है। इस उपन्यास पर बनी फिल्म ने भी भारतीय दर्शकों को झकझोर दिया। उनकी कविताएं मात्र भावुकता नहीं, बल्कि जीवन की गहन यथार्थता का उद्घाटन हैं। वे लिखती हैं– 'एक गुस्सा था रुके हुए पानी की तरह, जिसके निकलने की कोई राह नहीं थी। इसलिए जहां वह रुका हुआ था, उन दीवारों को ही चाट रहा था।' यह पंक्तियां स्पष्ट करती हैं कि अमृता ने मनुष्य की अंतरंग संवेदनाओं को कितनी गहराई से समझा और व्यक्त किया।

स्त्री-अस्मिता की प्रवक्ता-अमृता प्रीतम का सबसे बड़ा योगदान स्त्री-अस्मिता की आवाज को साहित्य में प्रतिष्ठित करना है। उन्होंने स्त्री को केवल गृहस्थ जीवन की परिधि में सीमित नहीं माना, बल्कि उसे स्वतंत्र और पूर्ण व्यक्तित्व के रूप में चित्रित किया।

सतही विमर्श सफलता की गारंटी नहीं, राजनीति में फेक नैरेटिव और आक्रामक आरोपों पर भी लगाम जरूरी

अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप ने 2024 मे ' मेक अमेरिका ग्रेट अगेन ' के नैरेटिव पर चुनाव जीता लेकिन आज उनकी साख बहुत गिर गई है। स्पष्ट है कि एक नैरेटिव को चुनाव प्रचार के केंद्र में रखना चुनाव जीतने की कोई गारंटी नहीं पर ऐसा करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। फर्क इतना है कि पहले नैरेटिव सकारात्मक होते थे लेकिन इधर नैरेटिव का स्वरूप नकारात्मक एवं आक्रामक हुआ है।

डॉ. एके वर्मा।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सभी राजनीतिक खेमे अपने पक्ष में माहौल बनाने में जुट गए हैं। इस कड़ी में लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार में राजद नेता तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ 'वोट-चोरी' का नैरेटिव चलाया हुआ है। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के संदर्भ में भी विपक्ष की यह मुहिम जारी है।

जबकि संविधान के अनुसार यह चुनाव आयोग का दायित्व है कि वह मतदाता सूचियों में केवल भारतीय नागरिकों के नाम सुनिश्चित करे और मृत, स्थायी रूप से अन्यत्र निवास करने वालों या डुप्लीकेट नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएं और 18 वर्ष वाले नए मतदाताओं को जोड़ा जाए। नागरिकता की पहचान हेतु मान्य दस्तावेजों में आधार कार्ड को सम्मिलित करने की मांग को स्वीकार करने के साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा है कि यदि चुनाव आयोग ने एसआईआर में कोई गैर-कानूनी प्रक्रिया अपनाई तो वह पूरी प्रक्रिया ही निरस्त कर देगा।

राहुल ने 'चोरी' को अपने चुनावी-नैरेटिव का आधार बना लिया है। 2019 लोकसभा चुनावों में उन्होंने 'चौकीदार चोर है' का नैरेटिव चलाया, 2024 लोकसभा चुनावों में 'संविधान और आरक्षण चोरी' का नैरेटिव चलाया और अब वे चुनाव-आयोग द्वारा 'वोट-चोरी' का नैरेटिव चला रहे हैं। उनके विरुद्ध हाइड्रोजन-बम फोड़ने की धमकी दे रहे हैं। ऐसे नैरेटिव से तात्कालिक लाभ भले हो जाए, जैसा 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन को मिला भी, लेकिन फेक नैरेटिव किसी फुलझड़ी की तरह बहुत जल्दी बुझ भी जाता है।

चोरी के आरोप लगाने से पहले राहुल को नहीं भूलना चाहिए कि जिस चुनाव आयोग पर वे 'वोट चोरी' का आरोप लगा रहे है, उसी की चुनावी प्रक्रिया के जरिये उनकी पार्टी हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक की सत्ता में है। तमिलनाडु और झारखंड में द्रुमक और झामुमो के साथ सत्ता साझा कर रही है। उसी के द्वारा पश्चिम बंगाल, सिक्किम, केरल, पुडुचेरी, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में गैर-भाजपा सरकारें बनी हैं।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राहुल के 'वोट-चोरी' नैरेटिव को खारिज करते हुए कहा कि 'यदि चुनाव आयोग से हमें तब कोई समस्या नहीं जब हम चुनाव जीतते हैं, तो निश्चित ही हमें उससे तब भी कोई समस्या नहीं होनी चाहिए, जब हम चुनाव हारते हैं।' उन्होंने कहा कि 'अक्टूबर 2024 विधानसभा चुनावों में वे इतनी सीटों की उम्मीद नहीं कर रहे थे, यदि वोट चोरी करके उनकी कुछ सीटें किसी विपक्षी दल को दे दी जातीं, तो भी वे उसे स्वाभाविक जनादेश ही मानते।' ऐसी स्वीकारोक्तियां किसी नेता का कद बढ़ा देती हैं। राहुल को उनसे कुछ सीखना चाहिए। क्या कांग्रेस स्वतंत्रता के बाद स्वयं द्वारा की गई चोरियों का इतिहास भूल गई है

लोकतंत्र में आलोचना जरूरी है, लेकिन सरकार के विरुद्ध केवल आरोप, आक्षेप, उपहास, निंदा एवं अपशब्द से कुछ हासिल नहीं होता। ऐसा करने वालों की छवि ही खराब होती है, जिसका खमियाजा उन्हें चुनावों में भुगतना पड़ता है। कांग्रेस एक दशक से सत्ता से बाहर होने के बाद उतावली हो रही है, पर इसका अर्थ यह नहीं कि वह प्रधानमंत्री को गाली दे, उन्हें 'चोर' कहे, प्रधानमंत्री की स्वर्गवासी मां को अपशब्द कहे या एआई द्वारा उनका अभद्र 'मीम' बनाए। स्पष्ट है कि कांग्रेस ने चुनावी स्पर्धाओं में एक रणनीतिक परिवर्तन किया है। वह आरोपात्मक एवं आक्रामक 'फेक-नैरेटिव' को केंद्रीय मुद्दा बनाकर अन्य मुद्दों को गौण रखती है।

बिहार में कांग्रेस एसआईआर द्वारा वोट-चोरी को आक्रामक 'नैरेटिव' के रूप में भुनाना चाहती है। फेक-नैरेटिव इंटरनेट मीडिया पर आग की तरह फैलता है और युवा मतदाताओं को सबसे ज्यादा अपनी चपेट में लेता है। शत्रु देश भी उसका फायदा उठाते हैं और देश की राजनीतिक प्रक्रिया में अवांछनीय हस्तक्षेप करते हैं। ऐसे में यह उचित ही है कि चुनाव आयोग ने एआई-डीपफेक और फेक नैरेटिव से निपटने के लिए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्रशिक्षण दिया है और प्रत्येक जिले में 'सेल' बनाकर फेक-नैरेटिव का प्रतिकार करने का आदेश दिया है, ताकि बिहार जैसे माहौल की पुनरावृत्ति न हो। इसके बावजूद, बीते दिनों नेपाल में 'जेन जी' आंदोलन ने जिस तरह अप्रत्याशित हिंसा द्वारा सत्ता-परिवर्तन किया, उससे चुनाव आयोग, केंद्र और राज्य सरकारों के साथ ही राजनीतिक दलों एवं जनता सभी को और सतर्क हो जाना चाहिए।

क्या चुनावों में नैरेटिव फायदेमंद होता है 2024 में मोदी ने चार-सौ पार के नैरेटिव का दांव चला। राहुल-अखिलेश के नेतृत्व में आईएनडीआईए ने लोकसभा चुनाव में 'संविधान-बचाओ, आरक्षण बचाओ' के नैरेटिव पर उत्तर प्रदेश में चुनाव जीता, लेकिन दिल्ली, मध्य प्रदेश, ओडिशा, असम, बिहार, हिमाचल और उत्तराखंड आदि में उनका नैरेटिव बुरी तरह पिट गया। 1971 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी ने 'गरीबी-हटाओ, देश-बचाओ' के नैरेटिव पर चुनाव जीता था, पर 2004 में वाजपेयी सरकार 'इंडिया शाइनिंग' के नैरेटिव पर चुनाव हार गई। 2007 में उत्तर प्रदेश में मायावती 'ब्राह्मण-दलित भाईचारा' नैरेटिव पर चुनाव जीतीं, पर 2012 में उसी नैरेटिव पर वे चुनाव हार गईं। अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप ने 2024 मे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के नैरेटिव पर चुनाव जीता, लेकिन आज उनकी साख बहुत गिर गई है। स्पष्ट है कि एक नैरेटिव को चुनाव प्रचार के केंद्र में रखना चुनाव जीतने की कोई गारंटी नहीं, पर ऐसा करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। फर्क इतना है कि पहले नैरेटिव सकारात्मक होते थे, लेकिन इधर नैरेटिव का स्वरूप नकारात्मक एवं आक्रामक हुआ है। उसकी यह बदलती प्रवृत्ति राजनीतिक दलों में आंतरिक-लोकतंत्र के अभाव, संगठनात्मक कमजोरी, विचारधारा से दूरी, वैकल्पिक नीतियों का अभाव, नेतृत्व की अपरिपक्वता और दल की जनता से असंबद्धता को दर्शाता है, जिससे भारतीय लोकतंत्र के भविष्य पर एक प्रश्नचिह्न लगता है।

आदि कर्मयोगी अभियान में विलेज लेवल प्लान शीघ्र तैयार करने के निर्देश

कलेक्टर ने समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सेवा पखवाडा के दौरान विभिन्न विभागों की निर्धारित गतिविधियों का क्रियान्वयन गंभीरता से करते हुए पोर्टल पर अपडेट करें। इसी प्रकार आदि कर्मयोगी अभियान के तहत चिन्हित गांवों का संबंधित विभागों से समन्वय कर विलेज प्लान की तैयारी शीघ्र पूर्ण करें। ताकि आगामी 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर होने वाली ग्राम सभाओं में इसका अनुमोदन लिया जा सके। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की संपन्न बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न अभियानों एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, जीतेन्द्र वर्मा, आरएन खरे, राहुल सिलाडिया, एलआर जांगडे, सुमेश द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, स्कूल शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, वन और राजस्व विभाग के समन्वय से चयनित गांवों का विलेज लेवल प्लान आगामी 3-4 दिनों में बना ले। इसी प्रकार सेवा पखवाडा की हर गतिविधि का क्रियान्वयन गंभीरता पूर्वक करते हुए डाक्यूमेंटेशन कराये तथा की गई गतिविधि पोर्टल पर फीड कराये। धान उपार्जन केन्द्रों के लिए पंजीयन का कार्य प्रारंभ हो गया है। अगली बैठक में विस्तृत समीक्षा की जायेगी। कृषि उत्पादन आयुक्त की निकट भविष्य में होने वाली संभागीय बैठक की तैयारी और पूर्व बैठक के निर्देशों का पालन प्रतिवेदन तैयार करें। कलेक्टर ने कहा कि डिजिटल क्राप सर्वे और फार्मर रजिस्ट्री कार्य में जिले का कार्य संतोषजनक नहीं है। उन्होंने एसडीएम और राजस्व अधिकारियों को एक सप्ताह इस कार्य पर फोकस करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत से कम फार्मर रजिस्ट्री वाले हल्कों के पटवारियों को नोटिस जारी कर कार्यवाही करें। स्कूल शिक्षा विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग भवन विहीन शालाओं की जानकारी जिला पंचायत को अविलम्ब उपलब्ध कराये।

रेल्वे के भू अर्जन, एनवीडीए, एनएचआई और जल संसाधन विभाग की विकास परियोजनाओं के लिए भू अर्जन तथा पारित अवार्ड की कलेक्टर ने समीक्षा की। रेल्वे दोहरीकरण और सतना-पन्ना खण्ड रेलवे लाइन कार्य की समीक्षा में कहा कि परियोजना कार्य में स्थानीय गतिरोध स्वीकार योग्य नहीं होगा। विकास कार्यों में व्यवधान या गतिरोध पैदा होने पर इसकी सूचना एसडीएम और कलेक्टर को तत्काल देवे। सतना-रीवा रेल लाइन दोहरीकरण के कार्य में कलेक्टर ने मुआवजा वितरण के लिए एसडीएम रामपुर बघेलान को हर हफ्ते कैम्प लगाने के निर्देश दिये। भू अर्जन शाखा में लंबित 37 प्रकरणों में कलेक्टर ने इस हफ्ते अनिवार्य रूप से अवार्ड पारित करने के निर्देश भी दिये। जल संसाधन विभाग के कार्यो में नरदहा और पिपरी टोला में स्थानीय लोगों के अवरोध की सूचना पर कलेक्टर ने एसडीएम मझगवां को मौके पर जाकर निराकरण करने निर्देशित किया।

21 रक्तवीरों ने रक्तदान कर मनाया महराज अग्रसेन जयंती

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महाराज अग्रसेन जयंती के अवसर पर मारवाड़ी सेवा संघ के नेतृत्व एवं समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति की गरिमामय उपस्थिति में मारवाड़ी युवा मंच द्वारा 21 सितंबर रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर की शुरुआत परिसर में स्थापित महाराज अग्रसेन जी के समक्ष चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर प्रारंभ की गई की, रक्तदान शिविर में सर्वप्रथम राखी सफ़ड़िया जी ने अपना खून देकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस अवसर पर मारवाड़ी सेवा संघ के अध्यक्ष मोतीलाल गोयल जी हिंदू पर्व समन्वय समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं मारवाड़ी सेवा संघ के उपाध्यक्ष राम अवतार चमड़ियां [कल्लू भैया] मन्त्री पवन चमड़िया हिंदू समन्वय समिति के अध्यक्ष मणिकांत महेश्वरी रक्तवीरों के प्रेरक विनोद गेलानी डॉ. जय प्रकाश अग्रवाल जी डॉ आलोक जैन अनुज अग्रवाल डॉ पाखी कनोडिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष अंकुल अग्रवाल एवं मंत्री सौरभ बंसल ने संयुक्त रूप से बताया मानवता की सेवा के लिए इस अवसर पर मणिकांत महेश्वरी राखी साफाडिया श्रुति चमड़ियां संदीप चमड़ियां सात्विक अग्रवाल सीमा चमड़ियां अर्पित अग्रवाल श्वेता चमड़ियां अशोक चमड़ियां वरुण चमड़ियां दीपक खेमका सुदीप जैन दीपा सफदिया सौरभ चमड़िया शाश्वत अग्रवाल अंकुर खेमका विजय सफदिया सजल सफदिया सौरभ बंसल आशीष जैन ने रक्तदान कर इंसानियत का सच्चा धर्म निभाया।

इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष मोतीलाल गोयल जी ने सभी रक्तवीरों को साधुवाद देते कहा यह मानवता की सेवा का कार्य है और हम मारवाड़ी सेवा संघ की ओर से प्रत्येक वर्ष ऐसे सेवा कार्य करते रहेंगे।

उपमुख्यमंत्री ने कानपुर में आयोजित कार्यक्रम में कमलेश को किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। उन्हें समाज सेवा के उत्कृष्ट कार्यों के लिए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया। कमलेश मिश्रा ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उपमुख्यमंत्री ने उनकी सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि समाज सेवा का कार्य सबसे बड़ा धर्म है। इस अवसर पर मिश्रा ने कहा कि यह पुरस्कार केवल उनके लिए नहीं, बल्कि उन सभी के लिए है जो समाज के उत्थान के लिए काम कर रहे हैं। कार्यक्रम में कई अन्य समाजसेवियों को भी सम्मानित किया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कई लोग समर्पित हैं।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए नई व्यवस्था, डीटीसी में सिम्युलेटर पर होगी ट्रेनिंग और टेस्ट; रूम के अंदर मिलेगा रियल ड्राइविंग का फील

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में जल्द ही मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट (डीटीसी) शुरू होने जा रहा है। उचेहरा ब्लॉक के बड़खेरा में लगभग 5 करोड़ की लागत से तैयार यह सेंटर अब अंतिम चरण में है। यहां से अब वही व्यक्ति ड्राइविंग लाइसेंस पा सकेगा, जो प्रशिक्षण लेकर परीक्षा पास करेगा।

रूम के अंदर मिलेगा रियल ड्राइविंग का फील: डीटीसी में लाइट और हैवी व्हीकल ड्राइवरों को 3 महीने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें ड्राइविंग के साथ-साथ गाड़ियों के तकनीकी पार्ट्स की जानकारी भी सिखाई जाएगी। ट्रेनिंग में शामिल लोगों की हर

गतिविधि पर 108 कैमरों से नजर रखी जाएगी। खास बात यह है कि यहां हैवी व्हीकल चलाने के लिए सिम्युलेटर भी लगाया गया है, जिसमें ड्राइवर को ट्रक चलाने जैसी रियल फीलिंग मिलेगी।

डीटीसी के संचालन की जिम्मेदारी सार्थक वेलफेयर सोसायटी को दी गई है। सेंटर में 11 से ज्यादा स्टाफ काम करेंगे, जिनमें ट्रेनर, आईटी मैनेजर, अकाउंटेंट और टेक्नीशियन शामिल रहेंगे। अभी प्रशिक्षण की फीस तय नहीं हुई है, लेकिन अन्य जगहों पर 6 हजार से 10 हजार रुपये तक ली जा रही है।

सड़क हादसों में कमी आएगी: एआरटीओ संजय श्रीवास्तव ने बताया कि इस व्यवस्था का मकसद यह है कि केवल निपुण ड्राइवरों को ही लाइसेंस मिले। ट्रैक पर वाहन चलाते समय अगर कोई नियम तोड़ेगा तो लाइसेंस नहीं मिलेगा। सफल होने पर प्रमाण पत्र मिलेगा, जिसे ऑनलाइन अपलोड करने के बाद सीधे ड्राइविंग लाइसेंस बन जाएगा। उन्होंने कहा कि डीटीसी शुरू होने से सड़क हादसों में कमी आएगी और सतना जैसे औद्योगिक जिले को प्रशिक्षित ड्राइवर भी मिलेंगे।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी मरीजों को पोषण आहार का वितरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर बघेलान, जिला सतना में प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड, मनकहरी के सहयोग से स्वास्थ्य संवर्धन हेतु 100 क्षय रोगियों को पोषण आहार के पैकेट वितरित किए गए। साथ ही साथ 200 फूड पैकेट जिला क्षय अधिकारी सतना को भी प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराकर उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना तथा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित करना है।

केंद्र एवं राज्य सरकार टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस दिशा में मरीजों को मुफ्त उपचार के साथ-साथ पोषण समर्थन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। शासन की महत्वाकांक्षी नि-क्षय मित्र योजनांतर्गत प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत समुदाय के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल की है। कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई पोषण टोकरी (फूड बास्केट) में तुअर दाल, आटा, मूंगफली, भुना चना एवं एवं अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री सम्मिलित है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य टी.बी. रोगियों को पर्याप्त पोषण उपलब्ध कराकर उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना तथा उन्हें शीघ्र स्वस्थ होने में सहायता करना है। इस अवसर पर लाभान्वित मरीजों ने सरकार एवं सहयोगी संस्था का आभार व्यक्त किया। अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सामुदायिक सहभागिता और जागरूकता के माध्यम से वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा।

सीवर लाइन सफाई के दौरान हादसा, जहरीली गैस से दो कर्मचारी बेहोश; नगर पालिका नहीं देती सुरक्षा उपकरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सोमवार दोपहर को सीवर लाइन की सफाई के दौरान एक गंभीर हादसा हुआ। क्रिस्तुकुला स्कूल, महादेव रोड पतेरी क्षेत्र में दोपहर 12 बजे के करीब दो कर्मचारी सीवर चेंबर में जहरीली गैस की चपेट में आ गए। आदर्श शुक्ला और किशन वर्मा नाम के ये कर्मचारी सीवर लाइन की सफाई कर रहे थे। चेंबर में उतरते ही जहरीली गैस के कारण दोनों बेहोश होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत अधिकारियों को सूचना दी और दोनों कर्मचारियों को बाहर निकाला।

एसडीएम सिटी राहुल सिलड़िया मौके पर पहुंचे और अपनी गाड़ी से दोनों को जिला अस्पताल ले गए। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने तत्काल इलाज शुरू किया। दोनों कर्मचारी अभी भी बेहोशी की स्थिति में हैं और उनका इलाज जारी है।

नगर पालिका नहीं उपलब्ध कराती सुरक्षा उपकरण: स्थानीय लोगों के अनुसार, सीवर लाइन की सफाई के दौरान कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण नहीं दिए जाते। नगर पालिका प्रशासन से सुरक्षा इंतजाम की मांग लगातार की जाती रही है। लेकिन कोई ठोस कदम न उठाए जाने से कर्मचारियों की जान जोखिम में रहती है। जिला अस्पताल प्रबंधन ने दोनों कर्मचारियों की निगरानी बढ़ा दी है। प्रशासन घटना की जानकारी ले रहा है और आगे की कार्रवाई की बात कर रहा है।

मैहर में 2 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार, सतना के नागौद का रहने वाला है आरोपी

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। पुलिस ने रामपथ गमन लिंक रोड उमरी पैला बायपास से एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 2 किलो गांजा बरामद हुआ है।

कोतवाली पुलिस को 21 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी। मुखबिर ने बताया कि एक व्यक्ति बायपास के पास गांजा बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। आरोपी मनीष पटेल को दो प्लास्टिक की थैलियों के साथ पकड़ा गया। थैलियों में खाकी टेप से बंधे पैकेट में 1 किलो 992 ग्राम गांजा मिला। आरोपी सतना जिले के नागौद थाना क्षेत्र के पिथौराबाद का रहने वाला है। उसकी उम्र 31 साल है।

जब्त किए गए गांजे की कीमत 19 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज किया है।

चाक चौबंद व्यवस्था के बीच मैहर में नवरात्रि मेला प्रारंभ, तैनात रहेंगे 12 कार्यपालिक मजिस्ट्रेट

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले में चाक चौबंद व्यवस्था के बीच मां शारदेय नवरात्रि मेला प्रारंभ हो गया है। नवरात्रि के प्रथम दिन अत्यधिक संख्या में दर्शनार्थी मैहर पहुंचे और प्रशासनिक व्यवस्था के बीच दर्शनार्थियों ने सुगमता से मां शारदा के दर्शन किये। मैहर में नवदिवसीय नवरात्रि मेला मां शारदा देवी मंदिर में 22 सितंबर से 2 अक्टूबर दशहरा पर्व तक रहेगा। मेले में भारतवर्ष के विभिन्न प्रांतों से आने वाले लाखों की संख्या में श्रद्धालु और दर्शनार्थी की संभावना के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रानी बाटड ने विभिन्न स्थानों पर 12 कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तैनात किये है। इसके अनुसार कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अपने कर्तव्य स्थल पर सहयोगी कर्मचारी के साथ निर्धारित पाली में तैनात रहेंगे।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार मंदिर प्रांगण ऊपर प्रात: 3 बजे से दोपहर 1 बजे तक नायब तहसीलदार प्रवीण त्रिपाठी एवं पटवारी प्रभात कुमार तिवारी, दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक नायब तहसीलदार प्रेमलाल चौधरी एवं पटवारी सत्यसागर पाण्डेय को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। इसी प्रकार रोपवे कन्ट्रोल रूम में प्रात: 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामनगर डॉ. आरती सिंह एवं पटवारी लालमन साकेत, दोपहर 1 बजे से पट बंद होने तक नायब तहसीलदार एसबी सिंह एवं राजस्व निरीक्षक कमल बागरी, मेला कन्ट्रोल रूम एवं डयोढी में प्रात: 3 बजे से दोपहर 1 बजे तक तहसीलदार अमरपाटन आरडी साकेत एवं पटवारी अवध सिंह, दोपहर 1 बजे से पट बंद होने तक प्रभारी तहसीलदार अनामिका सिंह एवं पटवारी जितेन्द्र कुमार दाहिया को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। सेकण्ड राउण्ड सीढी में प्रात: 3 बजे से दोपहर 1 बजे तक प्रभारी नायब तहसीलदार ललित कुमार धार्वे एवं पटवारी धीरू कुमार पटेल, दोपहर 1 बजे से पट बंद होने तक प्रभारी नायब तहसीलदार रोशनलाल रावत एवं पटवारी राम उजागर नट, प्रथम राउण्ड सीढी में प्रात: 3 बजे से दोपहर 1 बजे तक डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल, नायब तहसीलदार मैहर अजीत मिश्रा को कार्यपिलक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार वीआईपी तल सीढी चैनल गेट में प्रात: 3 बजे से दोपहर 2 बजे तक नायब तहसीलदार रामनगर अनिल सिंह एवं पटवारी कृष्ण कुमार पाण्डेय, दोपहर 2 बजे से रात्रि पट बंद होने तक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामनगर एसपी मिश्रा एवं पटवारी बृजेश प्रताप सिंह को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। रिजर्व के रूप में नायब तहसीलदार साधना सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मैहर अशोक तिवारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अमरपाटन देवमणि मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास राजेन्द्र बांगरे तथा पशु चिकित्सा विभाग के डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी को शामिल किया गया है।

कलेक्टर मैहर रानी बाटड द्वारा जारी आदेशानुसार नायब तहसीलदार मैहर प्रवीण त्रिपाठी मो. 9329300121 प्रात: से दोपहर 2 बजे तक एवं नायब तहसीलदार एसबी सिंह दोपहर 2 बजे से पट बंद होने तक अपने कार्य के साथ-साथ मंदिर के प्रोटोकॉल संबंधी कार्य भी करेंगे। मैहर मंदिर की सम्पूर्ण व्यवस्था के प्रभारी अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं प्रशासक मैहर रहेंगे।

दसवां आयुर्वेद दिवस आज, आयुर्वेद संस्थाओं में होगे कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। संचालनालय आयुष म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत जिले में संचालित जिला आयुर्वेद चिकित्सालय, आयुष विंग, आयुष आरोग्य मंदिर एवं आयुष औषधालयों में 23 सितंबर को दशम् आयुर्वेद दिवस मनाया जायेगा। जिला आयुष अधिकारी डॉ. नरेन्द्र पटेल ने बताया कि 23 सितंबर को थीम आयुर्वेद जन-जन के लिए पृथ्वी के कल्याण के लिए पर केन्द्रित कार्यक्रमों द्वारा जन सामान्य को जागरूक करने विविध गतिविधियां आयोजित की जायेगी। इस अवसर पर नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर एवं वैलनेस कैंप, जन जागरूकता कार्यक्रम, रैली सेमिनार के आयोजन के द्वारा नागरिकों को आहार-विहार दिनचर्या, ऋतुचर्या आचार रसायन व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में समग्र रूप में बताया जायेगा। भारत सरकार के राष्ट्रीय औषधि पादप बोर्ड के निर्देशानुसार घर-घर में औषधीय पौधों के बारे में जागरूकता फैलाई जा रही है एवं वैधानिक संस्थानों में पौधारोपण के कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि 23 सितंबर को शरद ऋतु के साथ मिलने से यह दिन प्रकृति के संतुलन का प्रतीक बन गया है। जो आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों के अनुरूप है। खगोलविदों के अनुसार 23 सितंबर को दिन और रात बराबर होते हैं। यह शरद ऋतु की तिथि है जो प्रकृति में संतुलन का प्रतीक है। यह संतुलन आयुर्वेद के मूल सिद्धांत शरीर मन और आत्मा के बीच सामंजस्य से मेल खाता है। आयुर्वेद दिवस हर साल अब 23 सितंबर को मनाया जायेगा। आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा प्रणाली है, बल्कि यह लोगों और ग्रह के स्वास्थ्य के लिए एक स्थायी समाधान भी है।

काले झंडे दिखाने की तैयारी कर रहे कांग्रेसियों को चौकी ले गई पुलिस

रायसेन, एजेंसी। शहर की खराब सड़कों को लेकर शहर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने 50 दिन पहले क्षेत्रीय सांसद और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को ज्ञापन सौंपा था। इसके बावजूद सड़कों में सुधार कार्य न होने पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने रविवार को अपनी टीम के साथ कामधेनु परिसर में काले झंडे दिखाने की तैयारी कर ली।

इसी दौरान वहां पुलिस पहुंची और मौजूद कांग्रेसियों को पुलिस वाहन में बैठाकर नकतरा चौकी ले गई। जब केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह शहर के सभी कार्यक्रमों में शामिल होकर सांची के लिए रवाना हो गए, तब कांग्रेसियों को नकतरा चौकी से छोड़ा गया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, नपा में नेता प्रतिपक्ष प्रभात चावला, असलम खान, इरफान लाला, रवि महेश्वरी, हसीब हिंदुस्तानी, मलखान सिंह रावत को पुलिस नकतरा चौकी लेकर गई थी।

गाय को डंडा मारने पर विवाद

छतरपुर में दो पक्षों में मारपीट, दो लोग अस्पताल में भर्ती, पुलिस ने केस दर्ज किया

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर के बराजखेरा गांव में गाय को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। रविवार सुबह भूरा पटेल की गाय उनके पड़ोसी महेश के घर के बाड़े में चली गई। महेश ने गाय को भगाने के लिए डंडा मारा, जिसके बाद गाय ने महेश को सींग मार दिया।

महेश के परिवार ने भूरा को फोन कर घटना की जानकारी दी और इलाज के लिए बुलाया। भूरा इलाज के लिए तैयार हो गया। लेकिन कुछ देर बाद दोनों पक्षों में गाली-गलौज शुरू हो गई। इसके बाद अनिल, खेमचंद, महेश, बाबू पटेल और दो महिलाओं ने भूरा पर डंडों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए भूरा के चाचा सीताराम पर भी हमला किया गया। मारपीट में भूरा के पैर में फ्रैक्चर हो गया और अन्य जगहों पर भी चोटें आईं। सीताराम के सिर में सात टांके लगे। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंदनी के अनुसार, इस मामले में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी।

श्योपुर में घर के आंगन में मिला मगरमच्छ

वन विभाग ने एक घंटे में किया रेस्क्यू; पार्वती नदी में छोड़ा

श्योपुर, एजेंसी। श्योपुर के रामनगर गांव में एक अजीब घटना सामने आई। रामलखन मीणा के घर के आंगन में एक मगरमच्छ मिला। परिवार को रात में इसका पता नहीं चला। सुबह जब मगरमच्छ दिखा तो पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। श्योपुर रेंजर राघवेंद्र भदौरिया के साथ वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने पहले ग्रामीणों को सुरक्षित दूरी पर रहने को कहा। फिर मगरमच्छ को पकड़ने का काम शुरू किया। एक घंटे के रेस्क्यू अभियान में टीम ने मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मानसून में नदियों और तालाबों का जलस्तर बढ़ने से जलीय जीव कभी-कभी गांव की ओर आ जाते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि पहली बार ऐसी घटना हुई है।-

रेंजर बोले- मगरमच्छ स्वस्थ है: श्योपुर रेंजर राघवेंद्र भदौरिया ने बताया है कि वन विभाग की टीम मगरमच्छ को जलालपूरा की पार्वती नदी ले गई। वहां उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। मगरमच्छ स्वस्थ है और अब अपने प्राकृतिक आवास में है।

मेवाती गैंग ने लूटा था हाईवे पर चल रहा कंटेनर

ड्राइवर बोला- 2 घंटे में 100 किमी दूरी तय की, दो जगह गाड़ी रोक शिफ्ट किया माल

सागर, एजेंसी। सागर जिले में नेशनल हाईवे-44 पर कंटेनर ड्राइवर को बंदूक की नोंक पर बंधक बनाकर पार्सल लूटने के मामले में पुलिस मेवाती गैंग की तलाश कर रही है। वारदात के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं, जिनमें आरोपियों की बातचीत में हरियाणा की मेवाती भाषा की पहचान हुई है। इसी आधार पर गौरझामर पुलिस आरोपियों की लोकेशन ट्रेस करने में जुटी हुई है।

16-17 सितंबर की रात करीब 2 बजे गौरझामर थाना क्षेत्र के सिलारपुर ब्रिज के पास कंटेनर को रोका गया। कंटेनर ड्राइवर दीपचंद पटेल ने बताया कि गुड़गांव से नागपुर जा रहे उसके अमेजन पार्सल वाले कंटेनर को चार बदमाशों ने अचानक घेरकर बंदूक की नोंक पर बंधक बना लिया और मारपीट की। आरोपियों ने कंटेनर ड्राइवर को कैबिन बॉक्स में बंद किया और खुद करीब 2 घंटे तक 100 किमी तक गाड़ी चलाते रहे। रास्ते में दो जगह कंटेनर रोका गया और पार्सल दूसरे वाहन में शिफ्ट किए गए।

46 कार्टूनों की लूट: प्राथमिक जांच में सामने आया कि कंटेनर से कुल 46 कार्टून चोरी किए गए, जिनमें मोबाइल फोन और अन्य कीमती इलेक्ट्रॉनिक सामान था। कंटेनर में कुल 609 कार्टून लोड थे, बाकी कार्टून वहीं कंटेनर में ही पाए गए। कंपनी की टीम गायब सामान और उसकी कीमत की सूची बना रही है।

मेवाती गैंग का हाथ होने की पूरी संभावना- T। गौरझामर थाना प्रभारी नासीर फारूखी ने बताया कि वारदात के पीछे मेवाती गैंग का हाथ होने की पूरी संभावना है। आरोपियों की भाषा, तरीके और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस जांच और लोकेशन ट्रेसिंग के लिए टीमें लगाई गई हैं। गायब पार्सल की कीमत का आंकलन भी किया जा रहा है।

उज्जैन के हरसिद्धि शक्तिपीठ में तंत्र सिद्ध करते हैं तांत्रिक

2000 साल पुराना है मंदिर; नवरात्र के पहले दिन पहुंचेंगे 1 लाख से ज्यादा भक्त

उज्जैन, एजेंसी। आज से शारदीय नवरात्र का शुभारंभ हो गया है। इस बार खास बात ये है कि नवरात्र पूरे 10 दिन तक चलेंगे, जो एक दुर्लभ संयोग है। नवरात्र के पहले दिन ही उज्जैन के हरसिद्धि मंदिर में हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंच गए हैं। अनुमान है कि आज एक लाख से ज्यादा भक्त मां हरसिद्धि के दर्शन करेंगे। ऐसा माना जाता है कि तांत्रिक आज भी यहां तंत्र सिध्द करते है। ये मंदिर सम्राट विक्रमादित्य और कवि कालिदास की साधना स्थली भी रही है। नवरात्रि के दौरान यहां शयन आरती नहीं होती, गर्भगृह में प्रवेश वर्जित रहता है, लेकिन रजत मुखौटे के विशेष दर्शन होते हैं। हरसिद्धि मंदिर की पौराणिक मान्यताएं, नवरात्रि के दौरान मंदिर का दैनिक क्रम, दीपमालिका से जुड़ी परंपरा और श्रद्धालुओं के लिए जरूरी तमाम जानकारी।

माता सती की कोहनी गिरने से बना यह शक्तिपीठ: शास्त्रों के अनुसार, माता सती के पिता राजा दक्ष प्रजापति ने एक भव्य यज्ञ का आयोजन किया था। इस यज्ञ में सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया गया, लेकिन भगवान शिव को आमंत्रण नहीं दिया गया। जब माता सती वहां पहुंचीं तो उन्हें इस बात की जानकारी मिली। भगवान शिव का यह अपमान माता सती से सहन नहीं हुआ और उन्होंने स्वयं को यज्ञ की अग्नि में समर्पित कर दिया। जब भगवान शिव को इसकी जानकारी मिली, तो वे अत्यंत क्रोधित हो उठे। उन्होंने माता सती के मृत शरीर को उठाया और विक्षिप्त अवस्था में संपूर्ण पृथ्वी का चक्कर लगाने लगे। भगवान शिव को शांत करने और सृष्टि की मर्यादा को बनाए रखने के लिए भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र चलाया, जिससे माता सती के शरीर के 51 टुकड़े हो गए। माना जाता है कि जहां-जहां माता सती के अंग गिरे, वहां-वहां शक्तिपीठों की स्थापना हुई। उज्जैन में जिस स्थान पर माता सती की कोहनी गिरी थी, वहां हरसिद्धि शक्तिपीठ की स्थापना की गई। तभी से यह स्थान देवी उपासना का एक प्रमुख केंद्र माना जाता है।

इसलिए नाम पड़ा हरसिद्धि: चंड-मुंड नाम के जुड़वां राक्षसों का पृथ्वी पर आतंक फैला हुआ था। एक बार वे कैलाश पर्वत पर पहुंचे, जहां भगवान शिव और माता पार्वती निवास करते थे। जब द्वारपाल और नंदी ने उन्हें भीतर जाने से रोका, तो दोनों राक्षसों ने नंदी पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। यह देख भगवान शिव क्रोधित हो गए और उन्होंने मां चंडी का स्मरण किया। देवी चंडी प्रकट हुई और उन्होंने दोनों राक्षसों का वध कर दिया।राक्षसों के वध से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने देवी चंडी से कहा- ÷हे

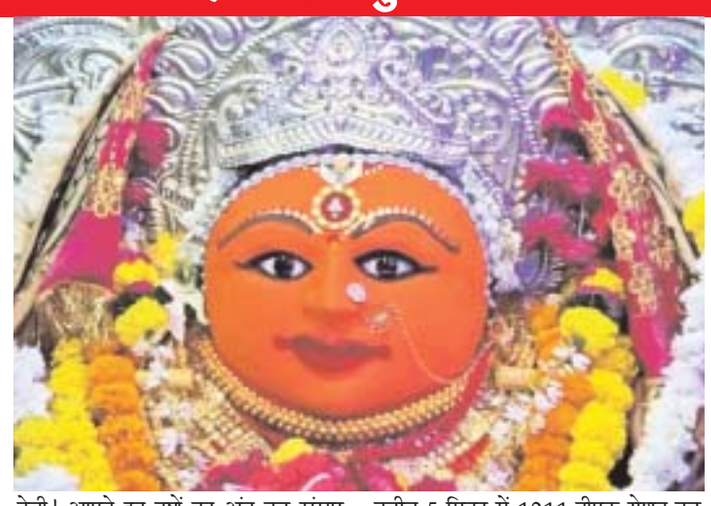

देवी! आपने इन दुष्टों का अंत कर संसार को उनके आतंक से मुक्त किया है। अब आप हर भक्त की मनोकामना और सिद्धि पूरी करने वाली बनकर 'हरसिद्धि' के नाम से महाकाल वन में विराजमान हों और भक्तों के कष्ट दूर करें।÷

दीपमालिका के सिर्फ 5 मिनट में रोशन होते 1011 दीप: हरसिद्धि मंदिर में स्थित दो भव्य दीप स्तंभ (दीपमालिका) मंदिर की पहचान हैं। इनकी ऊंचाई लगभग 51 फीट है, जिन पर कुल 1011 दीपक स्थापित हैं। रोजाना शाम को मंदिर में आरती के दौरान 6 लोग दीप स्तंभ पर चढ़कर करीब 5 मिनट में 1011 दीपक रोशन कर देते हैं। हालांकि पूरे कार्य में करीब 40 मिनट से अधिक का समय लगता जिसमें तेल डालने से लेकर बाती रखने तक की प्रोसेस होती है। ये काम काफी जोखिम भरा होता है। सभी दीयों में तेल डालते समय पूरा स्तंभ तेल में भीग जाता है। इससे फिसलन के कारण गिरने की आशंका रहती है। रोजाना दीप जलाने के लिए 2500 रुपए का मेहनताना भी दिया जाता है, जो 6 लोगों में बांट दिया जाता है।

दीप प्रज्ज्वलन में करीब 15 हजार रुपए का खर्च: दोनों दीप स्तंभों पर दीप जलाने का खर्च करीब 15 हजार रुपए आता है। इसके लिए पहले बुकिंग करवानी होती है। मंदिर के दोनों दीप स्तंभों को प्रज्ज्वलित करवाने के लिए मंदिर कार्यालय से 700 रुपए की रसीद कटवानी पड़ती है। इसके बाद 4 डब्बे तेल 2500 रुपए लगाने वालो को, दो साड़ी 5 फल, 5 माला, 16 सिंगार का सामान लाकर देना पड़ता है। दीप स्तंभों पर चढ़कर हजारों दीपकों को जलाना सहज नहीं है। उज्जैन का रहने वाला जोशी परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी करीब 100 साल से इन दीप स्तंभों को रोशन कर रहा है। दोनों दीप स्तंभों को एक बार जलाने में करीब 4 किलो रुई की बाती और 60 लीटर तेल लगता है। समय-समय पर इन दीप स्तंभों की सफाई भी की जाती है। भक्तों की आस्था का आलम यह है कि दीप जलाने के लिए दिसंबर 2025 तक की वेटिंग लिस्ट भर चुकी है। अब 2026 के लिए नई बुकिंग 10 दिसंबर 2025 से शुरू होगी।

नवरात्रि में भंडारों का आयोजन भी: हरसिद्धि मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालु दान करते हैं। इसी दान से नवरात्रि के दौरान साबूदाने की खिचड़ी और फरियाली खीर का प्रसाद वितरित किया जाता है। यह प्रसाद प्रतिदिन शाम को मंदिर के पट बंद होने तक वितरित किया जाता है। प्रसाद पाने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगती हैं।

महिला की चाकू मारकर हत्या, 30-35 वार किए

पति बोला- 3 अज्ञात बदमाशों ने किया हमला, मुझे भी पीटा; पुलिस को थ्योरी पर

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में महिला की चाकू मार-मारकर हत्या कर दी गई। महिला के पति ने पुलिस को वारदात की सूचना दी। उसने बताया कि 3 बदमाशों ने उसके सामने महिला को चाकू मारे। बचाने गया तो उसे भी जमकर पीटा। वह बेहोश हो गया।

मामला रविवार देर रात करीब 11 बजे पदम नगर थाना इलाके के डिगरीस और बावडियाकाजी गांव के बीच का है। महिला की पहचान संगीता उर्फ पप्पी (35) पति महेंद्र पटेल गुर्जर निवासी डिगरीस के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर एसपी समेत आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल से शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

बाइक अड़ाकर कुछ लोग शराब पी रहे थे: महेंद्र ने पुलिस को बताया- संगीता को पेट दर्द होने पर मैं उसे बाइक से जिला अस्पताल ले जा रहा था। गांव के बाहर निकले ही थे कि 3 बदमाश रास्ते में बाइक अड़ाकर शराब पी रहे थे। मेरी पत्नी ने टोका कि तुम लोगों को समझ नहीं आती कि रोड पर गाड़ी अड़ाकर बैठे हो। इतने में उन लोगों ने मेरी

बाइक रोक ली। मैं पत्नी की तरफ से माफी मांगता रहा, लेकिन वो लोग नहीं माने। अंधेरे के कारण मैं उन्हें पहचान नहीं पाया। वो लोग अलग भाषा बोल रहे थे, जो हमारी समझ से बाहर थी। दो लोगों ने मुझे पकड़ा, एक ने पत्नी को चाकू से गोद-गोदकर मार डाला।

दोनों ने दूसरी शादी की, बेटा-बेटी संगीता से: महेंद्र की डिगरीस गांव में किराना दुकान है। पड़ोसियों ने बताया कि महेंद्र किराना सामान के साथ शराब बेचने का काम भी करता है। संगीता महेंद्र के किराना व्यापार में हाथ बंटाती थी। संगीता आदिवासी समाज से थी। महेंद्र ने पहली पत्नी को तलाक देकर उससे शादी की थी।

पहली पत्नी से एक बेटी है, जो महेंद्र के साथ ही रहती है। संगीता से भी उसका एक बेटा है, जिसकी उम्र करीब 11 साल है। दोनों की शादी 2012 में हुई थी। महेंद्र से बेटे के अलावा संगीता की पहले पति से 12 साल की बेटी भी है। बेटी गर्भ में थी, तभी संगीता ने पहले पति से तलाक ले लिया था।

पति की थ्योरी पर शंका, पूछताछ जारी: टीआई प्रवीण आर्य के मुताबिक, अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बेटे की चाहत में दादी ने की पोती की हत्या

4 माह की बच्ची का गला घोंटकर सूखे कुएं में फेंका

सिवनी मालवा, एजेंसी। सिवनी मालवा के ग्राम बेरखेड़ी में एक दादी ने पोते की चाहत में अपनी 4 माह की पोती की हत्या कर दी। आरोपी मीनाबाई अश्वारे ने बच्ची के मुंह में गमछा ठूंसकर उसकी हत्या की। फिर शव को पोटली में बांधकर सूखे कुएं में फेंक दिया। घटना उस समय हुई जब बच्ची की मां मीरा घर के पीछे बर्तन मांज रही थी। बच्ची देहलान में झूले पर सो रही थी। मीनाबाई ने इस मौके का फायदा उठाया। हत्या के बाद वह संदेह से बचने के लिए अपने बाड़े की सफाई करने लगी।

बच्ची के गायब होने पर पूरे गांव में खोजबीन शुरू हुई। ग्राम कोटवार और बच्ची के दादा निर्भय सिंह ने कुएं में एक पोटली देखी। मीनाबाई ने पोटली को निकालने से रोक दिया। उसने बहाना बनाया कि पोटली में महावारी के कपड़े हैं। जब पुलिस ने पोटली खोली तो उसमें बच्ची का शव मिला।

बच्ची के पिता शुभम अशवारे

काम पर गए थे। उन्हें बच्ची के गायब होने की सूचना मिली। तीन दिन तक बच्ची कुएं में पड़ी रही। बाद में मीनाबाई ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। शुभम ने न्याय की मांग की है।

फोरेंसिक जांच में हत्या की पुष्टि: थाना प्रभारी राजेश दुबे ने बताया कि फोरेंसिक विशेषज्ञ की सलाह पर दो डॉक्टरों की टीम ने जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम किया। पीएम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि बच्ची के मुंह के अंदर 24 सेंटीमीटर लंबा और 10 सेंटीमीटर चौड़ा गमछे का टुकड़ा मिला, जिससे दम घुटने के कारण उसकी मौत हुई। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो मीनाबाई ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। उसके खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस (मानव वध) के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

मध्य प्रदेश में खाद की किल्लत

सीहोर के इछावर में किसान रात भर लाइन में खड़े

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले के इछावर क्षेत्र में किसानों के सामने खाद की गंभीर कमी की समस्या पैदा हो गई है। स्थानीय किसान बताते हैं कि उन्हें एक बोरी खाद के लिए रात भर सोसायटी के बाहर बैठकर इंतजार करना पड़ रहा है, लेकिन इसके बावजूद सभी को खाद नहीं मिल पाती।

इछावर सोसायटी में किसान सुबह तक जागकर अपने नंबर लगाते हैं, ताकि उन्हें खाद मिल सके। लेकिन सोसायटी में खाद की आपूर्ति कम होने के कारण कई किसान खाली हाथ लौट जाते हैं। स्थानीय किसानों का कहना है कि

वर्तमान में खाद की मांग बहुत अधिक है, लेकिन आपूर्ति कम होने के कारण समस्या बढ़ गई है।

किसानों का कहना है कि खाद की कमी से उनकी फसल की बुवाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि जल्दी से जल्दी पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए, ताकि फसल समय पर बोई जा सके।

किसान यह भी शिकायत करते हैं कि कई बार सोसायटी में सुबह तक इंतजार करने के बाद भी उन्हें खाद नहीं मिलती, जिससे उन्हें मानसिक और आर्थिक दोनों तरह की परेशानी होती है।

मदरसे में नशा मुक्ति और शिक्षा का संदेश

बच्चों ने बनाई देशभक्ति थीम पर पेंटिंग

राजगढ़, एजेंसी। राजगढ़ के दारुल उलूम रसूलपुरा में सूफी इस्लामिक बोर्ड, मध्यप्रदेश यूनिट ने रविवार को नशा मुक्ति व शिक्षा पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। मौलाना ताहिर साहब की अध्यक्षता में

हुए इस कार्यक्रम में शिक्षाविद इरशाद खान मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में बच्चों ने ड्रॉइंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। उन्होंने तिरंगा और देशभक्ति विषय पर चित्र बनाए। बच्चों ने अपनी अंग्रेजी भाषा के कौशल का भी प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष एहतेशाम हसन सिद्दीकी ने कहा कि युवाओं का भविष्य ज्ञान और हुनर से ही सुरक्षित होगा। वक्ताओं ने बच्चों को नशे से दूर रहने की सलाह दी।

प्रदेश कोषाध्यक्ष साकिब हुसैन कुरैशी ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने बताया कि मदरसे में कंप्यूटर शिक्षा शुरू की जाएगी। साजिद हुसैन मेमोरियल फाउंडेशन 5 कंप्यूटर दान करेगा।

रतलाम में भारत की जीत का जश्न नहीं दिखा

रतलाम, एजेंसी। दुबई में भारतीय टीम ने एशिया कप 2025 में रविवार रात पाकिस्तान पर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम ने सुपर-4 के दूसरे मैच में पाकिस्तानियों को 6 विकेट से हराया। भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध लगातार 7वां इंटरनेशनल मैच जीता है। लेकिन इस बार भी रतलाम में जीत का उत्साह नजर नहीं आया।

हर बार पाकिस्तान के साथ भारत के मैच के दौरान भारत की जीत का जश्न शहर के दो बत्ती चौराहे पर मनाया जाता है। बड़ी संख्या में युवा व शहरवासी यहां पहुंचते है। लेकिन यह दूसरा ऐसा मौका कि भारत की जीत का जश्न रतलाम की सड़कों पर नजर नहीं आया। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। इसके 7 दिन पहले भी भारत ने पाकिस्तान को हराया था, तब भी शहर में उत्साह नजर नहीं आया था। केवल सोशल मीडिया पर भारत की जीत की बधाई के मैसेज चलते रहे।

सड़क पर उतरे एसपी: सोमवार से नवरात्रि की भी शुरुआत हो रही है। भारत पाकिस्तान के मैच के बीच एसपी अमित कुमार भी शहर की सड़कों पर पुलिस बल के साथ उतरे। गरबा पंडालों, नवरात्रि मेले में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस अधिकारियों के साथ कालिका माता मंदिर क्षेत्र में निरीक्षण किया।

जीत के पहले ही दुकानें बंद कराईं: रात 11 बजे तक शहर में लगने वाली खान-पान दुकानों व दो बच्ची चौपाटी को भी बंद करा दिया। पुलिस की गाड़ियां शहर में घूमती रही।

आतंकी हमले के कारण विरोध: पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान मैच को लेकर लोगों में किसी प्रकार का उत्साह नहीं है। 7 दिन पहले हुए मैच को लेकर प्रदेश में कई जगह विरोध प्रदर्शन भी हुआ था।

मंदसौर में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई

6 तस्करों से 4 पेटी मदिरा, 2 पेटी बीयर और 75 पाव देशी शराब जब्त

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर आबकारी विभाग ने मुखबिर की सूचना पर अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। कुचडोद-बोलिया मार्ग पर बिना नंबर की मोटरसाइकिल सवार बनवारी उर्फ गोलू (29) को 4 पेटी प्लेन मदिरा और 2 पेटी बीयर के साथ गिरफ्तार किया गया।

आरोपी गिरफ्तार, वाहन और शराब जब्त: आबकारी विभाग के उप निरीक्षक कर्मेन्द्र सावले के अनुसार जब्त की गई शराब और मोटरसाइकिल की कुल कीमत करीब 70 हजार रुपए है। आरोपी को मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

इन इलाकों से भी शराब बरामद: आबकारी विभाग ने पवित्र क्षेत्र के अलग-अलग जगहों से 5 और लोगों को गिरफ्तार किया। इंद्रानगर से नरेन्द्र को 12 पाव देशी शराब के साथ,

सीतामऊ फाटक से विजय मोई को 18 पाव देशी शराब के साथ पकड़ा गया। अभिनंदन नगर से बंकट हप्पा को 21 पाव और वीरेंद्र को 15 पाव देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। सीतामऊ फाटक से विनोद को 8 बीयर केन और 9 पाव देशी शराब के साथ पकड़ा गया। सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इन पांच मामलों में जब्त की गई शराब की कीमत करीब 6,585 रुपए बताई गई है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

दर्द के बावजूद नेउगेबाउर ने डेकाथलॉन में स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो, एजेंसी। जर्मन धावक लियो न्यूगेबाउर ने दर्द के बावजूद डेकाथलॉन की अंतिम स्पर्धा में 1,500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। दौड़ पूरी करने के बाद न्यूगेबाउर ट्रैक पर ही लेट गए थे। 2024 ओलंपिक रजत पदक विजेता के हिलने-डुलने में असमर्थ होने पर अधिकारियों ने उनके लिए व्हीलचेयर निकाली। लेकिन नेउगेबाउर ने खुद को फिर से खड़ा कर लिया। उन्होंने कहा, मुझे पिछली दौड़ के बाद जितना बुरा लगा था, उतना पहले कभी नहीं लगा था, लेकिन मैं व्हीलचेयर पर ट्रैक नहीं छोड़ना चाहता था।

4 मिनट 31.89 सेकंड के समय के साथ उन्होंने कुल 8,804 अंक हासिल किए, जिससे उन्होंने प्यूर्टो रिको के आयडेन ओवेन्स-डेलेमें (8,784) और अमेरिकी काइल गारलैंड (8,703) को पीछे छोड़ दिया। पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी के निकलास कौल चौथे स्थान पर रहे।

नेउगेबाउर अपनी मां डायना और पिता टेरेंस को गले लगाने के लिए स्टैंड पर चढ़ गए।

गोर्लिट्ज में जन्मे और स्टटगार्ट में पले-बढ़े, नेउगेबाउर एक खेल-प्रेमी परिवार में पले-बढ़े। उनके पिता, जो कभी फुटबॉल के शौकीन थे, ने उन्हें एथलेटिक्स में हाथ आजमाने के लिए प्रोत्साहित किया। 15 साल की उम्र से वह ट्रैक और फील्ड पर ध्यान केंद्रीत कर रहे हैं।

इस फैसले के कारण उन्हें छात्रवृत्ति पर ऑस्टिन स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय में दाखिला मिला, जहां वे प्रशिक्षण के साथ-साथ अर्थशास्त्र की पढ़ाई भी कर रहे हैं। लियो द जर्मन उपनाम से मशहूर, 2.01 मीटर के इस एथलीट ने प्रतिभा और अथक परिश्रम के मेल के लिए अपनी ख्याति अर्जित की है। उ

उनके कोच जिम गार्नहैम ने कहा, मैं कुछ भी जादू नहीं करना चाहता, लेकिन अगर सब कुछ ठीक रहा, तो लियो वो कर सकता है जो कोई और नहीं कर सकता। विश्व खिताब हासिल करने के बाद, न्यूगेबाउर ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर कोई संदेह नहीं छोड़ा। उन्होंने 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक की ओर इशारा करते हुए कहा, अभी और भी बहुत कुछ आना बाकी है। 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक को वह पहले से ही अपना घरेलू मैदान मानते हैं।

अंपायरों से तो मिल लो, गंभीर ने मैच के बाद खिलाड़ियों को अंपायरों से हाथ मिलाने को कहा

दुबई, एजेंसी। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर भिवादन करने के लिए कहते नजर आए। यह तब हुआ जब दोनों टीमों के कप्तानों ने एक बार फिर टॉस के समय एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया और मैच के बाद भी पारंपरिक हाथ मिलाने की कोई घटना नहीं हुई। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें गंभीर सूर्यकुमार यादव और भारतीय खिलाड़ियों से अंपायरों से हाथ मिलाने के लिए कहते सुने जा सकते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के दौरान हैंडशेक विवाद फिर से गरमा गया क्योंकि पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के किसी भी खिलाड़ी ने एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। इसके अलावा मैच के दौरान कई बार माहौल गरमा गया जब अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की हारिस रऊफ से तीखी बहस हुई। गिल की शाहीन अफरीदी से भी बहस हुई और इन सभी पलों ने दिखा दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच प्रतिद्वंद्विता कितनी तीखी है। गौर है कि मैच में पाकिस्तान ने 20 ओवरों में 171/5 का स्कोर खड़ा किया। साहिबजादा फरहान ने 58 रनों की पारी खेली। जवाब में भारत ने शानदार शुरुआत की और अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने 105 रनों की विशाल साझेदारी की। 18.5 ओवर में ही भारतीय टीम ने 172 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल

अभिषेक का पाकिस्तान के खिलाफ सबसे तेज 50 छक्कों का रिकॉर्ड, गुरु को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिषेक शर्मा ने रविवार को दुबई में एशिया कप 2025 के सुपर 4 मुकाबले में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराने के दौरान विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। अभिषेक शानदार फॉर्म में दिखे और उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाजों पर दबदबा बनाते हुए 39 गेंदों में 74 रन बनाए।

इस पारी के दौरान अभिषेक ने गेंदों के हिसाब से टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 50 छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया।

अभिषेक शर्मा ने मात्र 331 गेंदों में सबसे तेज 50 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की, जो पहले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज इविन लुईस (366 गेंदों) के नाम था। आंद्रे रसेल (वेस्टइंडीज) तीसरे, हजरतुल्लाह जजई (अफगानिस्तान) चौथे और सूर्यकुमार यादव (भारत) 5वें स्थान पर हैं।

अभिषेक 350 गेंदों से कम में 50 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। यही नहीं, उन्होंने अपने गुरु युवराज सिंह का भी रिकॉर्ड तोड़ा है। शर्मा ने दुबई क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ 24 गेंद पर अर्धशतक लगाया। यह टी-20 में पाकिस्तान के खिलाफ किसी भारतीय का सबसे तेज अर्धशतक है। पहले यह रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम था, जिन्होंने 2012 में अहमदाबाद में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 29 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा था।

अभिषेक को उनकी विस्फोटक पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अभिषेक शर्मा ने शुभमन गिल के साथ मिलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 9.5 ओवर में 105 रन जोड़कर भारत का एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ चल रहा ऑपरेशन व्हाइट बॉल सफलतापूर्वक पूरा किया।

अभिषेक ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा, आज सब कुछ साफ था। जिस तरह वे बिना वजह हम पर हावी होने की कोशिश कर रहे थे, मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसी कारण मैंने उनके खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। मैं टीम के लिए योगदान देना चाहता था।

उन्होंने गिल के साथ साझेदारी पर कहा, हम स्कूल के दिनों से साथ खेलते हैं। हम एक-दूसरे को समझते हैं। हमने सोचा था कि हम यह कर सकते हैं और आज वह दिन था। जिस तरह वह जवाब दे रहे थे, मुझे बहुत अच्छा लगा। अगर आप किसी को इस तरह खेलते हुए देखते हैं, तो इसका मतलब है कि टीम समर्थन करती है और साथ देती है। यही मेरा इरादा है, मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और अगर मेरा दिन है, तो मैं अपनी टीम के लिए जीत हासिल करूंगा।

फीके पड़ गए शाहीन अफरीदी, उन्हें ब्रेक की जरूरत है: दानिश कनेरिया

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तानी गेंदबाज शाहीन अफरीदी विकेट को तरसते नजर आए। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया की सलाह है कि शाहीन अफरीदी को तरोताजा होने के लिए क्रिकेट से एक महीने का ब्रेक लेना चाहिए।

इस तेज गेंदबाज ने रविवार को भारत के खिलाफ 3.5 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 40 रन लुटाए, लेकिन एक भी बल्लेबाज को अपना शिकार नहीं बना सके।

कनेरिया के मुताबिक इस तेज गेंदबाज को तीनों फॉर्मेट में नहीं खेलना चाहिए। उन्हें अपनी गेंदबाजी पर फोकस करने के लिए एक या दो फॉर्मेट से बाहर रहना चाहिए।

कनेरिया ने सोमवार को आईएएनएस से कहा, उम्र एक बात है, लेकिन पीसीबी उन्हें तीनों फॉर्मेट में नहीं खिला सकता। उन्हें तय करना होगा कि वह किस फॉर्मेट में खेलेंगे। मुझे लगता है कि उन्हें फैसला लेना चाहिए। उन्हें कहना चाहिए कि वह सिर्फ टी20 और वनडे खेलेंगे। उन्हें टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए, क्योंकि वह उस फॉर्मेट में कुछ खास नहीं करते।

पूर्व क्रिकेटर ने कहा, मुझे लगता है कि शाहीन अफरीदी को क्रिकेट से एक महीने का ब्रेक लेना चाहिए। वह छुट्टी पर जाएं, आराम करें और वापस आएं। वह थोड़े फीके पड़ गए हैं। मुझे लगता है कि उन्हें एक ब्रेक की जरूरत है। शायद कुछ महीनों के ब्रेक की जरूरत है। अगर आप बहुत ज्यादा क्रिकेट खेलते हैं, तो आप नीरस हो जाते हैं। वापसी के लिए आपको एक ब्रेक की जरूरत होती है।

भारत ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया।

पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवरों के खेल में 5 विकेट खोकर 171 रन बनाए। टीम के लिए साहिबजादा फरहान ने 45 गेंदों में 58 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से शिवम दुबे ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले।

इसके जवाब में टीम इंडिया ने 18.5 ओवरों में 6 विकेट शेष रहते जीत दर्ज कर ली। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 39 गेंदों में 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 74 रन बनाए, जबकि शुभमन गिल ने 28 गेंदों में 47 रन की पारी खेली।

सूर्या ने फिर सलमान से हाथ नहीं मिलाया, साहिबजादा का गन शॉट सेलिब्रेशन

रऊफ ने दिखाया- ऑपरेशन सिंदूर में 6 प्लेन गिराए

दुबई, एजेंसी। एशिया कप के सुपर-4 स्टेज में भी भारत ने पाकिस्तान पर दबदबा दिखाया और टीम को 6 विकेट के बड़े अंतर से हरा दिया। दुबई में रविवार को भारत से 5 और पाकिस्तान से 2 कैच छूटे। वहीं अभिषेक शर्मा और हारिस रऊफ के बीच बहस हो गई। अभिषेक ने पारी की पहली ही गेंद पर छक्का भी लगा दिया। सूर्यकुमार यादव ने सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया।

1. सूर्या और सलमान ने फिर हाथ नहीं मिलाया: भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एक बार फिर पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। दोनों कप्तानों ने ग्रुप स्टेज मैच के दौरान भी हाथ नहीं मिलाया था। जिसके बाद पाकिस्तानी टीम ने पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में आने से मना कर दिया था।

भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया।

भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया।

2. फखर के विकेट पर अंपायर ने रिव्यू लिया: तीसरे ओवर में भारत को पहला विकेट मिला। हार्दिक पंड्या ने फखर जमान को कॉट बिहाइंड कराया, लेकिन उनके विकेट को चेक करने के लिए अंपायर को रिव्यू लेना पड़ गया।

हार्दिक ने ओवर की तीसरी बॉल गुड लेंथ पर आउट स्विंगर फेंकी। फखर डिफेंड करने गए, लेकिन गेंद विकेटकीपर संजू सैमसन की ओर चली गई। उन्होंने लो-कैच पकड़ा। इस पर फील्ड अंपायर ने थर्ड अंपायर से पूछा कि कैच फेयर है या नहीं। टीवी अंपायर ने आउट का फैसला दिया, लेकिन फखर इससे नाखुश नजर आए।

3. साहिबजादा ने मिसाइल दागने का इशारा किया: पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान ने 10वें ओवर में फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने अक्षर पटेल के ओवर की तीसरी गेंद पर छक्का लगाया और 33 गेंद पर अर्धशतक पूरा कर लिया। फिफ्टी लगाने के बाद उन्होंने अपने बैट से मिसाइल दागने का इशारा कर सेलिब्रेशन किया।

फिफ्टी लगाने के बाद बैट से मिसाइल दागने का इशारा करते पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान।

फिफ्टी लगाने के बाद बैट से मिसाइल दागने का इशारा करते पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान।

4. अभिषेक का बेहतरीन डाइविंग कैच: अभिषेक शर्मा ने 2 कैच छोड़ने के बाद 11वें ओवर में बेहतरीन डाइविंग कैच पकड़ा। 11वें ओवर की तीसरी बॉल शिवम दुबे ने लेग स्टंप की ओर शॉर्ट पिच फेंकी।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा को आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 की शुरुआत 30 सितंबर से होने वाली है, जिसका फाइनल मुकाबला 2 नवंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट की मेजबानी भारत और श्रीलंका मिलकर कर रहे हैं। विश्व कप की शुरुआत से पहले गत विजेता ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने फिर से खिताब जीतने के लिए अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई है। हीली को पूरा विश्वास है कि टीम में मौजूद ताजा ऊर्जा और अनुभव का मिश्रण एक बार फिर सबसे बड़े मंच पर अच्छा प्रदर्शन कर सकता है।

हीली ने आईसीसी के लिए अपने कॉलम में लिखा, हमारा समूह अविश्वसनीय रूप से संतुलित है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ पर्याप्त युवा खिलाड़ी हैं। कुछ के लिए यह उनका पहला एकदिवसीय विश्व कप होगा, लेकिन उन सभी को प्रमुख टूर्नामेंटों और उच्च दबाव वाली श्रृंखलाओं का अनुभव है। भारत में खेलने को लेकर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि हम विश्व कप की अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए भारत में आकर बेहद उत्साहित हैं। यह खेलने के लिए एक शानदार जगह है और हम सभी इस जगह से अच्छी तरह वाकिफ हैं। इस साल की शुरुआत में चोट से वापसी के बाद हीली ने महत्वपूर्ण मैचों का आनंद लिया है। वापसी के बाद से, हीली ने भारत ए के खिलाफ तीन टी20 और इतने ही 50 ओवर के मैचों में हिस्सा लिया है। इसके बाद, पिछले हफ्ते भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की 2-1 से वनडे सीरीज़ जीत में कप्तानी की जिम्मेदारी फिर से संभाली। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए घरेलू मैदान पर ए सीरीज खेलने का अवसर मिलना बहुत बड़ी बात थी। चोट से वापसी के बाद कम समय में छह मैच खेलना मेरे लिए बड़ी उपलब्धि थी।

इंग्लैंड ने आयरलैंड को हराकर 2-0 से सीरीज जीती, आखिरी टी-20 में 6 विकेट से हराया

जॉर्डन कॉक्स ने 55 रन बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी। डबलिन के मलाहाइड में खेले गए दूसरे टी-20 मैच में इंग्लैंड ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीत ली। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स ने करियर की पहली बड़ी पारी खेलते हुए 35 गेंदों पर 55 रन बनाए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 154 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 4 विकेट के नुकसान पर 155 रनों का टारगेट हासिल कर मैच को 6 विकेट से जीत लिया।

10 महीने बाद जॉर्डन की टीम में वापसी हुई: 23 साल के जॉर्डन कॉक्स के लिए यह मैच खास रहा। पिछले 10 महीनों से वे इंग्लैंड टीम में वापसी का इंतजार कर रहे थे। पिछले साल उन्हें सभी फॉर्मेट की टीमों में चुना गया था, लेकिन शुरुआती पांच पारियों में वे सिर्फ 37 रन ही बना पाए और शॉर्ट गेंदों के खिलाफ कमजोर नजर आए। नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू से ठीक पहले नेट प्रैक्टिस के दौरान उनका अंगूठा टूट गया था, जिससे उनका डेब्यू टल गया। इस चोट के बाद उन्होंने खुद को मानसिक रूप से मजबूत करने के लिए मनोवैज्ञानिक की मदद ली। इस सीजन कॉक्स ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। काउंटी चैम्पियनशिप में उन्होंने तीन शतक और टी-20 ब्लास्ट में एक शतक जड़ा। उन्हें आयरलैंड दौरे के लिए अंतिम समय पर टीम में शामिल किया गया। इस मैच में उन्हें मौका मिला क्योंकि सैम करन अपने दोस्त की शादी में शामिल होने के कारण उपलब्ध नहीं थे। बारिश के कारण मैच की शुरुआत करीब एक घंटे देरी से हुई। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने आयरलैंड का पहला विकेट 30 रन के स्कोर पर गिरा। कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने सिर्फ 7 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उनके सलामी जोड़ीदार रॉस अडायर ने 23 गेंदों में 33 रनों की पारी खेली।

वहीं हैरी टैक्टर ने भी बेहद धीमी बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों में 28 रन ही बनाए। बेंजामिन कैलिट्ज ने अंत में 22 रन तो वहीं गैरेथ डेलानी ने 29 गेंदों में 48 रन बनाए। जिसके कारण ही आयरलैंड की टीम ने 20 ओवरों में 8 विकेट गंवाकर 154 रन बनाए।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल

न्यू इंडिया का दमदार ब्रिगेड, जब मैदान पर बल्ले से नहीं जुबान से भी धाकड़ बने अभिषेक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के महामुकाबले में कई पल ऐसे रहे, जब क्रिकेट के मैदान पर विवाद की स्थिति खड़ी हुई। पाकिस्तानी खिलाड़ी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे थे। फिर क्या था, अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने पाकिस्तानियों को जमकर धोया। हालत ऐसी कर दी कि वे बस कैमरों के सामने रोए नहीं।

हालांकि, जब बौखलाए पाकिस्तानी खिलाड़ी मैदान में आतंकियों जैसी हरकत करने लगे तो अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने ऑपरेशन व्हाइट बॉल के तहत जुबान से भी तगड़ा जवाब दिया।

पाकिस्तानियों के पास मैच हारकर ही सिर्फ इज्जत बचाने की कोशिश करने का मौका था, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों से मैदान पर बदजुबानी पर उतरकर खुद की किरकिरी करवा बैठे। पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने आतंकियों जैसी हरकतें अपनी बल्लेबाजी के समय ही शुरू कर दी थी, लेकिन भूल बैठे कि सामने भारत के क्रिकेटवीर हैं, जो बल्ले के साथ-साथ जुबान से बोलती बंद करना जानते हैं।

सिर्फ यही नहीं, जब पाकिस्तानी गेंदबाजों को भारतीय सलामी जोड़ी ने जमकर कूटा तो मार झेल नहीं पाए और इसी बीच, तिलमिलाते हुए बदजुबानी करने लगे।

हारिस रउफ गेंदबाजी कर रहे थे, जिनके 5वें ओवर की आखिरी गेंद पर शुभमन गिल ने चौका मारा। इससे बौखलाए रउफ ने कुछ शब्द कहे। इसी बीच शुभमन गिल उनकी तरफ बढ़े, लेकिन उससे पहले ही नॉन-स्ट्राइक पर खड़े अभिषेक शर्मा ने पाकिस्तानी गेंदबाजों को उसी की भाषा में सबक सिखाया।

नोकझोंक इतनी बढ़ी कि अंपायर को बीच में आना पड़ा और पाकिस्तानी गेंदबाज को बचाकर ले गए। अभिषेक शर्मा गुस्से में थे और शुभमन गिल भी जवाब देने के लिए तैयार थे।

इस महामुकाबले का हाल ऐसा रहा कि भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से मात दी। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 171 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने शतकीय साझेदारी करके जीत की नींव रखी। अभिषेक शर्मा ने 39 गेंदों पर 74 रन बनाए, जबकि 28 गेंदों पर शुभमन गिल ने 47 रन ठोके। तिलक वर्मा ने नाबाद पारी खेलते हुए 19 गेंदों में 30 रन बनाए।

टीम इंडिया ने 172 रन के लक्ष्य को 7 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया। इस समय तक भारत ने कुल 4 विकेट खोए।

पाकिस्तान के निराशाजनक प्रदर्शन पर बोले वसीम अकरम

टीम की इस परिस्थिति को देखना मुश्किल

दुबई, एजेंसी। पाकिस्तान पर भारत की 6 विकेट से जीत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने पड़ोसी के खिलाफ लगातार सातवीं जीत हैं। पाकिस्तान क्रिकेट की दयनीय स्थिति देखकर उनके दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम निराश हो गए। वसीम अकरम ने कहा कि पाकिस्तान को देखना मुश्किल है। पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा को लगता है कि उन्होंने अच्छा स्कोर बनाया, लेकिन अच्छी शुरुआत के बावजूद 200 रन तक न पहुंच पाना अकरम को बुरा लगा।

वसीम अकरम ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर कहा, मैं अपने दिल की बात कहूंगा। पाकिस्तान को खेलते देखना मुश्किल है। एक पूर्व खिलाड़ी होने के नाते मैं खेल के उस हिस्से में जीत और हार को समझता हूं। लेकिन पिछले चार-पांच सालों में भारत ने हर विभाग में पाकिस्तान को मात दी है। एक-दो बार, हमने यहा वहा जीत हासिल की है, लेकिन भारत का प्रदर्शन अविश्वसनीय रहा है। प्रतिभा, गहराई, सब कुछ। किसी भी खेल में एक-दो कैच छूट सकते हैं, यह ठीक है। लेकिन पहले 10 ओवरों में 91 रन बनाने के बाद, जब हम 200 तक नहीं पहुंच पाते, तो कुछ कहने को नहीं रहता।

आगा ने भारत से हार के लिए गेंदबाजों की आलोचना की: आगा ने बड़ा स्कोर न बना पाने के लिए अपनी टीम का बचाव किया। हालांकि उन्हें लगता है कि पाकिस्तान 10-15 रन और बना सकता था, लेकिन उन्होंने पावरप्ले के ओवरों में खराब शुरुआत के लिए गेंदबाजी विभाग को जिम्मेदार ठहराया क्योंकि भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्माऔर शुभमन गिल ने मैच उनसे छीन लिया।

हथियार छोड़ो तभी होगी बात : नक्सलियों को गृहमंत्री शर्मा की दो टूक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। केंद्र की नीतियों के साथ समन्वय से छत्तीसगढ़ सहित देशभर में नक्सल विरोधी अभियान तेज किए जा रहे हैं। राज्य गृहमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने स्पष्ट कर दिया है कि माओवादी संगठनों से शांतिवार्ता के द्वार खुले रहेंगे, पर बातचीत के पहले दो अनिवार्य शर्तें पूरी करनी होंगी : हथियार व हिंसा का पूर्ण त्याग और आईईडी व विस्फोटक उपकरणों का निष्कासन।

सरकार का रुख स्पष्ट , हिंसा और वार्ता साथ नहीं चलेंगे : विजय शर्मा ने कहा कि नक्सलियों को सबसे पहले ग्रामीणों पर हमले और हत्याएं रोकनी होंगी। साथ ही जंगलों में सुरक्षाबलों को नुकसान पहुँचाने के लिए लगाए गए आईईडी और विस्फोटक निकाले जाने चाहिए। गृहमंत्री ने दोहराया कि हिंसा और बातचीत एक साथ सम्भव नहीं है – पहले हथियार व हिंसा छोड़ो, तभी वार्ता की बात होगी।

ऑपरेशन का असर , संगठन का ढांचा कमजोर :सरकार की अभियानात्मक कार्रवाई का असर दिखाई दे रहा है। पिछले दो वर्षों में माओवादियों को बड़ा क्षति उठानी पड़ी है; कई शीर्ष नेता मारे गए या गिरफ्तार हुए। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय कमिटी के सदस्यों की संख्या 40 से घटकर लगभग 9ङ्क10 रह गई है और उनका थिंक-टैंक बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बस्तर समेत प्रभावित क्षेत्रों में नक्सली छोटे-छोटे समूहों में बट चुके हैं और नई भर्तियाँ बंद हो गई हैं। पुलिस का दावा है कि ग्रामीण सहयोग भी खत्म हो रहा है, जिससे माओवादी संगठनों का मनोबल टूट रहा है।

आत्मसमर्पण व पुनर्वास,दूसरी पहल :सरकार नक्सलियों के खिलाफ सशस्त्र कार्रवाई के साथ ही आत्मसमर्पण कर रहे लोगों को पुनर्वास की सुविधाएँ भी दे रही है। पिछले दो सालों में छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में 'लोन वर्राटू' जैसे अभियानों के तहत बड़े पैमाने पर माओवादी नेताओं और कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। गिरफ्तारी और सर्च ऑपरेशन भी जारी हैं।

माओवादियों की शर्तें :वहीं माओवादी संगठन सरकार पर आरोप लगाते हुए कह रहा है कि बातचीत के लिए अनुकूल माहौल बनाना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। उनका कहना है कि बस्तर से सुरक्षाबलों की वापसी हो और कैम्प बंद किए जाएँ – तभी वे वार्ता पर विचार करेंगे।

VIP रोड वन-वे, एयरपोर्ट जाने के लिए मुख्य सड़क, वापसी सर्विस रोड से

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी के वीआईपी रोड पर लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए यातायात पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। सोमवार, 22 सितंबर 2025 से व्हीआईपी रोड का मध्य मार्ग पूरी तरह वन-वे घोषित कर दिया गया है। अब यह मार्ग केवल माना एयरपोर्ट जाने वाले वाहनों के लिए आरक्षित रहेगा, जबकि वापसी करने वालों को सर्विस रोड का इस्तेमाल करना होगा।यदि कोई वाहन चालक वापसी के लिए मुख्य सड़क का उपयोग करता है तो उस पर मोटरयान अधिनियम की धारा 179 और 184 के तहत ?2500 का चालान किया जाएगा। नियम तोड़ने वालों की निगरानी के लिए मार्ग पर रॉन्ग वे डिटेक्शन कैमरे भी लगाए गए हैं।

हादसों का रिकॉर्ड :पिछले 20 महीनों में माना और तेलीबांधा थानों में दर्ज मामलों के अनुसार व्हीआईपी रोड पर 55 दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 16 लोगों की मौत और 59 लोग घायल हुए। माना एयरपोर्ट की ओर जल्दबाज़ी में तेज़ रफ़्तार वाहन नियंत्रण खोकर हादसों का कारण बनते रहे हैं।

समिति का फैसला :10 सितंबर 2025 को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मध्य मार्ग केवल एयरपोर्ट जाने वालों के लिए आरक्षित रहेगा। इसके बाद नगर निगम, परिवहन और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया और अब इसे लागू कर दिया गया है।

क्या हैं नए नियम :एयरपोर्ट और आसपास के ग्रामों (फुंडहर, टेमरी, माना पीटीएस) से शहर की ओर लौटने वाले लोग केवल सर्विस रोड का उपयोग करेंगे।श्रीराम मंदिर टर्निंग से एयरपोर्ट के अलावा अन्य गंतव्य जाने वाले वाहनों को भी सर्विस रोड से ही जाना होगा।रॉन्ग वे चलने वालों पर ई-चालान की कार्रवाई होगी।जगह-जगह संकेतक बोर्ड लगाए जाएंगे ताकि लोगों को नियमों की जानकारी मिल सके।

पुलिस की अपील :यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और असुविधा से बचने के लिए वापसी के लिए सर्विस रोड का ही उपयोग करें।

नवरात्रि पर डोंगरगढ़ जाने वालों के लिए खुशखबरी, 10 एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नवरात्रि में मां बमलेश्वरी के दर्शन के लिए डोंगरगढ़ पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने खास इंतजाम किए हैं। 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 10 एक्सप्रेस ट्रेनों को डोंगरगढ़ स्टेशन में अस्थायी रूप से रोका जाएगा। इसके अलावा दुर्ग से डोंगरगढ़ तक एक स्पेशल मेमू ट्रेन चलाई जाएगी, वहीं दो मेमू ट्रेनों को गोंदिया तक बढ़ाया गया है।

बिलासपुर-भगत की कोठी, बिलासपुर-बीकानेर, बिलासपुर-चेन्नई, बिलासपुर-पुणे और रायपुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस को डोंगरगढ़ में 2-2 मिनट का ठहराव दिया गया है। वहीं, गोंदिया-दुर्ग मेमू ट्रेन को नौ दिनों के लिए रायपुर तक विस्तारित किया गया है, जो भिलाई, देवबलौदा, कुम्हारी, सरोना होते हुए रायपुर पहुंचेगी।

रेलवे ने इस दौरान यात्रियों के लिए फलाहारी थाली की सुविधा भी शुरू की है, जिसकी कीमत ?60 से ?200 के बीच होगी। यात्री द्बक्रष्टञ्जष्ट की ई-कैटरिंग वेबसाइट या फूड ऑन ट्रैक ऐप से दो घंटे पहले ऑर्डर कर सकेंगे। स्टेशन और ट्रेनों में सात्विक और ताजा भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रोजेक्ट दधीचि: प्राचार्य जानकी ज्योति वर्मा ने लिया संपूर्ण देहदान का संकल्प

मैं स्वयं बायोलॉजी की व्याख्याता हूँ, मेडिकल छात्रों को प्रैक्टिकल में सहायता मिल सके इसलिए किया देहदान : जानकी ज्योति वर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत अभनपुर ब्लॉक के ग्राम टेकारी स्थित शासकीय विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य जानकी ज्योति वर्मा ने संपूर्ण देहदान का संकल्प लेकर समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनका कहना है कि वे मरणोपरांत मेडिकल के छात्रों की पढ़ाई में काम आना चाहती हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुसार जिले में प्रोजेक्ट दधीचि का संचालन किया जा रहा है, जिसके तहत आमजन स्वेच्छा से आगे आकर अपनी भागीदारी दे रहे हैं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने वर्मा को इस मानवीय निर्णय के लिए शॉल, प्रेरक पुस्तक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित

किया। वर्मा ने कहा की मैं स्वयं बायोलॉजी की व्याख्याता हूँ और वर्षों से छात्रों को पढ़ाती रही हूँ। कई बार वे कहते थे कि उन्हें प्रैक्टिकल के लिए अधिक बॉडी उपलब्ध हो तो विषय की समझ और बढ़ जाएगी। इसी कारण मैंने देहदान का संकल्प लिया है। मैं सभी से अपील करती हूँ कि वे भी आगे आएँ और जिला प्रशासन की इस पहल से जुड़कर देहदान और अंगदान के लिए संकल्प लें।कलेक्टर डॉ. सिंह के मार्गदर्शन में संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के माध्यम से अब तक 40 से अधिक लोगों ने अंगदान एवं देहदान कर जीवनदान के प्रतीक बन चुके हैं। इस योजना का उद्देश्य समाज में अंगदान और देहदान के प्रति जागरूकता फैलाना और भ्रांतियों को दूर करना है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने आमजनों से अपील की कि वे भी इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें और जरूरतमंदों के लिए जीवन की नई उम्मीद बनें।इस अवसर पर एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन, जिला शिक्षा अधिकारी श्री हिमांशु भारती सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी मनाएगी GST उत्सव :GST की नई दरें आज से लागू, भाजपा कर रही प्रचार प्रसार

रायपुर। केंद्र सरकार की तरफ से लागू नए GST 2.0 में दरों को लेकर छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (BJP) आज से बड़े पैमाने पर प्रचार-प्रसार अभियान शुरू कर रही है। बीजेपी ने इसे 'GST उत्सव' के रूप में मनाने का ऐलान किया है।इस मौके पर प्रदेश के मंत्री, विधायक और पार्टी के अन्य नेता सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक प्रचार प्रसार कर रहे हैं।GST 2.0 से कारोबारियों और आम जनता को क्या राहत मिलेगी ? इसकी जानकारियां साझा कर रहे हैं।

मंत्री ओपी की कारोबारियों से अपील :जीएसटी उत्सव को लेकर मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश और प्रदेश की जनता को सौगात दिया है। मैं हर कारोबारी से अपील करता हूं कि, जिस सामान का मूल्य ज्यादा कम हुआ है, उसे आम जनता को उपलब्ध करवाएं। जनता कारोबारियों के लिए भगवान है। हमें जनता के लिए समर्पित होकर काम करना है। इससे परचेसिंग पावर बढ़ेगी और देश की आर्थिक व्यवस्था रफ्तार पकड़ेगी।

बच्चों के चेहरों पर मुस्कान, कर्मचारियों के जन्मदिन बने यादगार – प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ के तहत शासकीय कर्मचारी बच्चों संग साझा कर रहे हैं खुशियाँ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत आयोजन नहीं रह गए हैं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ का उद्देश्य ही है – खुशियों को बाँटना, और इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अपना रहे हैं।इसी क्रम में आज महाप्रबंधक उद्योग श्री हेमेश देवांगन ने आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-4, भाटागांव में, सहायक शिक्षक श्री हरिश्चंद्र साहू ने शासकीय प्राथमिक शाला भुरका में, और ग्राम पंचायत परसदा के सचिव श्री लकेश्वर तारक ने आंगनबाड़ी केंद्र परसदा में अपने जन्मदिन के अवसर पर नन्हे बच्चों के साथ केक काटकर, फल और पौष्टिक आहार वितरित कर इस दिन को विशेष बनाया।कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा जन्मदिन की पूर्व संध्या पर 12 कर्मचारियों को ई-कार्ड और एसएमएस के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित कर उन्हें सामाजिक सरोकार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

पीएम मोदी ने देश के 140 करोड़ जनता को उपहार दिया : मंत्री ओपी चौधरी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नई जीएसटी दरें लागू होने पर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा,आज से त्रस्ञ्ज उत्सव प्रारंभ हुआ है पीएम मोदी ने देश के 140 करोड़ जनता को उपहार दिया है और पीएम मोदी द्वारा ही संभव है...इससे देश को काफी लाभ और उनका पैसा बचेगा, उनकी बचत बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगा।बता दें कि आज यानी 22 सितंबर से घी, पनीर खरीदने से लेकर कार और ्रष्ट खरीदना भी सस्ता हो गया है। सरकार ने 3 सितंबर को त्रस्ञ्ज में कटौती का ऐलान किया था, जो आज से लागू हो गई है। अब केवल दो स्लैब में त्रस्ञ्ज लगेगा- 5त्न और 18त्न। सरकार ने टैक्स सिस्टम को आसान बनाने के लिए ऐसा किया है। GST काउंसिल की 56वीं मीटिंग में इस पर फैसला लिया गया था।ग्राफिक्स में देखें रोजाना इस्तेमाल का कौनसा सामान कितना सस्ता हुआ। कुछ कंपनियों ने नए रेट जारी नहीं किए हैं। इसलिए उनकी अनुमानित MRP दी गई हैं। इसमें कंपनियों और सेलर्स द्वारा दिया जाने वाला डिस्काउंट शामिल नहीं है। ऐसे में मार्केट में मिलने वाले सामानों की कीमत और ज्यादा कम हो सकती है।

शिक्षा से ही खुलेगी प्रगति की राह : मंत्री टंकराम वर्मा

26 लाख 42 हज़ार रुपए से होगा आहाता एवं अतिरिक्त कक्ष का निर्माण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बलौदाबाजार जिले के ग्राम मोहतरा के शाला प्रांगण में आज 26 लाख 42 हज़ार रुपए से बनने वाले आहाता निर्माण एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण का भूमिपूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।मंत्री टंकराम वर्मा ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक आधार है। विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक है कि बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिले। अतिरिक्त कक्षों और आहाता निर्माण से विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए सुविधाजनक माहौल मिलेगा और गांव के बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत, जनपद पंचायत से जुड़े अनेक जनप्रतिनिधि शामिल हुए। स्थानीय ग्रामीणों ने इस निर्माण कार्य की शुरुआत पर हर्ष व्यक्त किया और कहा कि अब बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी।

प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए संजीवनी बन रहा प्रोजेक्ट अनुभव

जला पंचायत सीईओ ने साझा किए प्रशासनिक अनुभव, युवाओं को दिए सफलता के मंत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में रायपुर जिले में संचालित प्रोजेक्ट अनुभव युवा प्रतिभाओं के लिए नई दिशा और ऊर्जा का स्रोत बनता जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को योग भवन, फुंडहर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए एक विशेष कक्षा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भूमिका एवं महत्ता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने व्यक्तिगत प्रशासनिक अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को परीक्षा में रणनीति, समय प्रबंधन और प्रभावी अध्ययन तकनीकों के बारे में मार्गदर्शन दिया। प्रोजेक्ट अनुभव के अंतर्गत जिले में पदस्थ अनुभवी प्रशासनिक अधिकारी प्रतियोगी परीक्षार्थियों को विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को लाभ मिल रहा है।

शिक्षा सिर्फ रोजगार प्राप्त का माध्यम नहीं,समाज को दिशा देने वाला सबसे मजबूत आधार : स्कूली शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव की मुख्य आतिथ्य में आज केंद्रीय विद्यालय प्रगतिशील शिक्षक संघ रायपुर संभाग का वार्षिक अधिवेशन पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में आयोजित किया गया।इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूली शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि शिक्षा सिर्फ रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज को दिशा देने वाला सबसे मजबूत आधार है।

इस वार्षिक अधिवेशन में रायपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले 35 से अधिक केंद्रीय विद्यालयों के शिक्षक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। अधिवेशन में अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार मिरी, महासचिव डॉ. अजय आर्य, जगदलपुर, धमतरी, बिलासपुर, महासमुंद, रायपुर, दुर्ग और भिलाई सहित विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

गजेंद्र यादव ने कहा कि यदि समाज में स्कूल का माहौल सही हो जाए, तो किसी भी प्रकार के सुधार की आवश्यकता ही नहीं रह जाती। उन्होंने कहा कि समाज के निर्माण में एक शिक्षक

की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। एक शिक्षक न सिर्फ ज्ञान देता है, बल्कि एक बेहतर समाज भी बनाता है। शिक्षक बच्चों को जो परोसते हैं, बच्चे भी वही ग्रहण करते हैं। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ पैसो के लिए नहीं, बल्कि समाज को संवारने के लिए कार्य करें।मंत्री यादव ने कहा कि बच्चों को प्राथमिक स्तर से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को भी उच्चस्तरीय शिक्षा प्राप्त हो।

इसके लिए आने वाले शिक्षा सत्र से नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों को ई-क्लास से जोड़ा जाएगा, ताकि वे तकनीकी रूप से भी सक्षम बन सकें। आने वाले समय में स्कूल शिक्षा विभाग हाई स्कूल स्तर पर भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी शिक्षाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा, जिससे बच्चों को भारतीय संस्कृति, नैतिक शिक्षा प्राप्त होगी। शिक्षकों को नई शिक्षण पद्धतियों की जानकारी देने के लिए विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम्स का आयोजन किया जाएगा। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से शिक्षकों को यह बताया जाएगा कि कैसे बच्चों को प्रभावी और रुचिकर तरीके से पढ़ाया जाए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा